

# टाईगर अभी ज़िंदा है...

गोशामहल से लगातार तीन बार भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर विधायक टी. राजा सिंह लोध को भले ही भाजपा की राज्य इकाई ने

## राजा का बढ़ेगा क़द - पार्टी में मिलेगा बड़ा पद

हजारों युवाओं को हिंदू धर्म के प्रति प्रेरित किया और देश को हिंदू राष्ट्र बनाने का प्रण लिया। राजा को सुनने के लिए हजारों युवा एकत्रित हुए।



महाराष्ट्र के गोंदिया में लोध समाज के कार्यक्रम में भाग लेते राजा सिंह।

चूका हुआ तीर मानकर दूरी बना ली हो, लेकिन जनता के बीच उनकी छवि का बाल भी बांका नहीं हो सकता। दरअसल हिन्दू हृदय सम्राट और टाईगर राजा की उनकी इमेज कोई एक दिन में नहीं बनी, जिसे कोई मिनटों में धूमिल कर दे। राजा सिंह को झुकाने और दबाने के लिए अनगिनत साजिशें रची गई, कई गंभीर

आरोप भी लगे, किन्तु हर हमले के बाद राजा सिंह और अधिक उभर कर सामने आये। हाल ही में भाजपा ने उन्हें अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से निलंबित कर दिया, लेकिन विधायक के रूप में वे आज भी बरकरार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना आदर्श मानने वाले टी. राजा सिंह स्वयं में एक ऐसा ब्रांड बन चुके

हैं, जिन्हें पार्टी का शीर्ष नेतृत्व चाहकर भी कभी दूर नहीं कर सकता। अंदरखाने यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि पार्टी के वरिष्ठ नेता विधायक राजा सिंह को तेलंगाना का प्रमुख चेहरा बनाने की सोच रहे हैं और शीघ्र ही यह शुभ दिन आ सकता है। गौरतलब है कि हाल ही में पार्टी के तेलंगाना सांसदों से बातचीत के

दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना सांसदों की कार्यशैली को लेकर असंतोष जाहिर किया था। उनका मानना था कि यहाँ के सांसद न तो अपने क्षेत्र की जनता से जुड़े हैं और न ही क्षेत्रीय समस्या का उन्हें ज्ञान है। कुल मिलाकर तेलंगाना सांसदों को मोदी ने सख्त चेतावनी दी थी। इस मामले में गोशामहल विधायक का कोई सानि नहीं। वे न केवल जन-समस्याओं के प्रति गंभीर हैं, बल्कि क्षेत्र का लगातार/नियमित दौरा कर त्वरित समाधान भी करते हैं। गोशामहल में इस समय जगह-जगह तेजी से विकास कार्य चल रहे हैं। कुछ समय पहले एमआईएम (मजलिस) के छुटभय्ये नेताओं ने गोशामहल में पैर जमाने के लिए चल रहे विकास कार्यों का श्रेय लेने की कोशिश की, लेकिन जैसे ही राजा सिंह ने मोर्चा संभाला, वे भाग खड़े हुए। इन्हें ऐसी गलतफहमी हो गई थी कि राजा की पकड़ लोगों पर पहले जैसी नहीं रही, क्योंकि वे भाजपा में नहीं हैं। किन्तु राजा के मैदान में उतरते ही जनता-जनादर और उनके



कोठी स्थित वुमेंस कॉलेज छात्रावास का दौरा करते गोशामहल विधायक।

साथी कापोरेंटों का प्रेम भाव रती भर भी कम नहीं हुआ। राजा के समर्थन से कापोरेंट बने क्षेत्र के सभी नेता राजा भाई को ही अपना गुरु/नेता मानते हैं। जीएचएमसी वार्ड विभाजन को मजलिस के अनुकूल बताने वाले राजा ने सबसे सलाह-मशविरा कर अपना आपत्तियाँ भी दर्ज करवायी,

साथ ही रचनात्मक सुझाव भी दिये। कोठी स्थित वुमेंस कॉलेज छात्रावास की छात्राओं द्वारा मेस प्रभारी के खिलाफ शी टीम से की गई शिकायत का तुरंत संज्ञान लिया और सोमवार को स्वयं कॉलेज पहुंच कर प्राचार्य व अन्य से बात की। और तो और महाराष्ट्र के राजा ने सबसे सलाह-मशविरा कर अपना आपत्तियाँ भी दर्ज करवायी,

दरअसल भाजपा आला कमान तक यह बात जा चुकी है कि राजा सिंह सिर्फ तेलंगाना में ही नहीं, पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र व कर्नाटक में भी अपना वर्चस्व रखते हैं और मराठवाड़ा तथा गुलबर्गा, बीदर में उन्हें चाहते वाले लाखों की संख्या में हैं। यही कारण है कि राजा को पार्टी में वापिस लाकर बड़ा पद देने की चर्चा ने जोर पकड़ लिया है।

## मोदी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में जॉर्डन पहुंचे



अम्मान, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में सोमवार को जॉर्डन की राजधानी अम्मान पहुंच गये।हवाई अड्डे पर उनका जॉर्डन के प्रधानमंत्री जाफर हसन ने गर्मजोशी से स्वागत किया। श्री मोदी के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

### पीएम मोदी का जॉर्डन में भारतीय समुदाय ने गर्मजोशी से स्वागत किया

अम्मान, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को जॉर्डन की राजधानी अम्मान पहुंचे, जहाँ भारतीय समुदाय ने उन्हें गर्मजोशी से स्वागत किया। भारतीय झंडे लिए हुए लोग मोदी मोदी और भारत माता की जय के नारे लगाते हुए पीएम मोदी का उत्साहपूर्वक स्वागत कर रहे थे। इस दौरान बच्चों को देखकर पीएम मोदी भी उनके साथ मिलकर खेलते नजर आए। स्वागत समारोह में नृत्य का भी आयोजन किया गया, जिससे कार्यक्रम में चार चाँद लग गए।18 सालों से जॉर्डन में रह रहे शंकर ने कहा, हमारा अनुभव बहुत अच्छा रहा है। पीएम मोदी के आगमन से दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत ▶10

प्रधानमंत्री मोदी तीन देशों जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की चार दिन की यात्रा पर सोमवार सुबह नयी दिल्ली से रवाना हुए थे। उन्होंने रवाना होने से पहले अपने वक्तव्य में कहा कि तीनों देशों के साथ भारत के पुराने सभ्यतागत और व्यापक समकालीन द्विपक्षीय संबंध हैं और उनकी यह ऐतिहासिक यात्रा दोनों देशों के बीच राजनयिक की अपनी पहली यात्रा पर रवाना होंगे। वह इथियोपिया के प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर वहां जा रहे हैं। इथियोपिया की राजधानी आदिस अबाबा अफ्रीकी संघ का मुख्यालय भी है। वर्ष 2023 में, भारत की जी 20 अध्यक्षता के दौरान, अफ्रीकी संघ को जी 20 के स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। ▶10

संबंधों की स्थापना के 75 साल पूरे होने का प्रतीक होगी। प्रधानमंत्री, जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय इब्न अल हुसैन के निमंत्रण पर यहां आये हैं। वह उनसे और श्री हसन के साथ विस्तार से बातचीत करेंगे और उनकी क्राउन प्रिंस अल हुसैन बिन अब्दुल्ला द्वितीय के साथ भी मुलाकात की उम्मीद है। श्री मोदी जॉर्डन में भारतीय समुदाय के लोगों से भी मिलेंगे।

श्री मोदी, कल इथियोपिया की अपनी पहली यात्रा पर रवाना होंगे। वह इथियोपिया के प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर वहां जा रहे हैं। इथियोपिया की राजधानी आदिस अबाबा अफ्रीकी संघ का मुख्यालय भी है। वर्ष 2023 में, भारत की जी 20 अध्यक्षता के दौरान, अफ्रीकी संघ को जी 20 के स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। ▶10

## कांग्रेस सरकार के दो साल

# GHMC की प्रमुख पहलें हाशिए पर

हैदराबाद, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

एक समय था जब कॉर्पोरेट अधिकारी, सेवानिवृत्त अधिकारी और प्रतिष्ठित हस्तियाँ हैदराबाद के तेज़ बुनियादी ढाँचे के विकास और यातायात की भीड़ को कम करने को दी गई प्राथमिकता की खुले तौर पर प्रशंसा करते थे।

शहर को अक्सर सड़क बुनियादी ढाँचे, फ्लाईओवर, लिंक रोड, सुगम हवाई अड्डे की कनेक्टिविटी और सबवे के लिए एक मॉडल के रूप में उद्धृत किया जाता था। स्ट्रेटजिक रोड डेवलपमेंट प्रोग्राम (SRDP), स्ट्रेटजिक नाला डेवलपमेंट प्रोग्राम (SNDP), कॉम्प्रिहेंसिव रोड मेटेंसेस प्रोग्राम (CRMP), एचए-एडीसीएल (HRDCL) के माध्यम से लिंक रोड डेवलपमेंट जैसी प्रमुख पहल और कई अन्य परियोजनाओं ने शहर के परितृश्य को बदल दिया था।

14 सितंबर, 2023 को, सिंजीन सॉल्यूशंस (Syngene Solutions) रिसर्च लैब के शिलान्यास समारोह में बोलते हुए, बायोर्कॉन ग्रुप की चेयरमैन किरण मजूमदार शां ने कहा था

कि हैदराबाद में 'ईज़ ऑफ लिविंग' (Ease of Living) बेंगलुरु की तुलना में बेहतर है, जिसका कारण यहाँ अपेक्षाकृत कम ट्रैफिक जाम और बेहतर



बुनियादी ढाँचा है। उन्होंने कहा था, “मुझे कहना होगा कि आपने बुनियादी ढाँचे के साथ जो किया है, उसने 'ईज़ ऑफ लिविंग' को एक बेहतर अनुभव बना दिया है। अंततः किसी भी इकोसिस्टम के फलने-फूलने के लिए, यह अवसर पैदा करने और सरकारी समर्थन के बारे में है।” हालाँकि, जब से राज्य में कांग्रेस सरकार ने सत्ता संभाली है, इनमें से कई पहलों को किनारे कर दिया गया है।

आलोचकों द्वारा पिछली बीआरएस सरकार की छाप मिटाने की राजनीतिक मंशा बताए

जाने के कारण, वर्तमान सरकार ने न तो चल रही प्रमुख पहलों को जारी रखा है और न ही ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएचएमसी) की सीमाओं के भीतर जीवन की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से कोई नई योजना या नीति पेश की है।

सड़क के बुनियादी ढाँचे के अलावा, पहले के फोकस क्षेत्रों में तूफानी जल निकासी (स्टॉर्मवॉटर ड्रेन), आवास, स्ट्रीट लाइटिंग, निर्माण और विध्वंस मलबे का वैज्ञानिक निपटान और नागरिक सुविधाओं में सुधार के लिए एक व्यापक प्रयास शामिल थे।

विभिन्न आय समूहों के नागरिकों की सेवा के लिए बस्ती दवाखाना, ओपन जिम, अन्नपूर्णा कैटीन, खेल के मैदान, स्विमिंग पूल, स्टेडियम और मिनी विसर्जन कुंड जैसी सुविधाएँ स्थापित की गई थीं।

विशेष रूप से, अन्नपूर्णा कैटीन में 5 रुपये की भोजन योजना कर्मचारियों, छात्रों और दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों के लिए एक वरदान साबित हुई थी। यहाँ तक

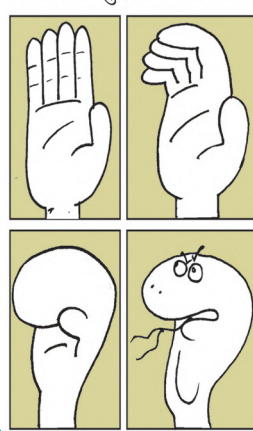
| 2014-15 से 2022-23 तक GHMC सीमाओं में प्रमुख नागरिक सुविधाओं पर खर्च |                        |
|----------------------------------------------------------------------|------------------------|
| पहल का विवरण                                                         | खर्च (करोड़ रुपये में) |
| फुटपाथों का विकास और सड़कों का उन्नयन                                | 5023.19                |
| भूमि अधिग्रहण और सड़क चौड़ीकरण                                       | 2073                   |
| पुल, प्लाईओवर, जंक्शन विकास                                          | 452.93                 |
| तूफानी जल निकासी (स्टॉर्म वॉटर ड्रेन)                                | 977.52                 |
| नाले, भूमि अधिग्रहण और भूमिगत जल निकासी                              | 4115.62                |
| SNDP (एसएनडीपी)                                                      | 918.62                 |
| SRDP (एसआरडीपी)                                                      | 8410                   |
| CRMP (सीआरएमपी)                                                      | 1839                   |
| एलईडी स्ट्रीटलाइट परियोजना (सात वर्ष)                                | 797.02                 |
| बस्ती दवाखाने                                                        | 31.58                  |
| अन्नपूर्णा कैटीन                                                     | 247.17                 |
| सामुदायिक हॉल का निर्माण और आधुनिकीकरण                               | 348.76                 |

कि सॉफ्टवेयर पेशेवरों को भी स्वच्छ, किफायती भोजन के लिए कैटीन में कतार में देखा जाता था, जिससे उनके दैनिक खर्चों में काफी कमी आई थी। हालाँकि, पिछले दो वर्षों में, इन सुविधाओं के प्रावधान और उन्नयन को नज़रअंदाज़ कर दिया गया है।इसके बजाय, कांग्रेस सरकार द्वारा घोषित नई पहलों ने

नागरिकों के बीच चिंता पैदा कर दी है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि मूसी कायाकल्प परियोजना को 55 किलोमीटर के दायरे में किसी भी कीमत पर शुरू किया जाएगा। इस परियोजना को रात के पर्यटन और नदी के किनारे उद्यमिता को बढ़ावा देने के प्रयास के रूप में प्रस्तुत किया गया था, ▶10

## कार्टून कॉर्नर

कांग्रेस की रैली में 'मोदी तेरी कब्र खुदेगी' के नारे लगे



## लश्कर का आतंकी था पहलगाम हमले का मास्टर माइंड, एनआईए की चार्जशीट में खुलासा

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 7 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा एलईटी और उसके फ्रंट संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट को भी आरोपी बनाया गया है।

एनआईए ने एलईटी/टीआरएफ को इस हमले की साजिश रचने और आतंकियों को निर्देश देने वाला कानूनी इकाई के रूप में दर्ज किया है। इस हमले में धर्म के आधार पर चुन-चुन कर की गई हत्याओं में 25

पर्यटकों और एक स्थानीय नागरिक की जान गई थी। चार्जशीट में पाकिस्तान में बैठे आतंकी हैडलर साजिद जट्ट का नाम भी शामिल है। यह 1597 पन्नों की चार्जशीट



एनआईए की विशेष अदालत, जम्मू में दाखिल की गई है। इसके अलावा, तीन पाकिस्तानी आतंकियों को भी आरोपी

बनाया गया है, जिन्हें सुरक्षा बलों ने जुलाई 2025 में श्रीनगर के डुआगीम इलाके में ऑपरेशन महादेव के दौरान मार गिराया था। इन आतंकियों की पहचान फैसल जट्ट उर्फ सुलेमान शाह, हबीब ताहिर उर्फ जिब्रान और हमजा अफगानी के रूप में हुई है।

एनआईए ने एलईटी/टीआरएफ और इन चारों आतंकियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता 2023, आर्म्स एक्ट 1959 और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम -1967 की धाराओं के तहत आरोप लगाए हैं। इसके साथ ही भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने से जुड़ी धाराएं भी लगाई गई हैं। ▶10

## आंध्र प्रदेश में पेट्रोल-डीजल सबसे महंगा

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

सोमवार को सरकार ने राज्यसभा में बताया कि राज्य द्वारा सबसे ज्यादा वेट लगाए जाने से आंध्र प्रदेश में पेट्रोल और डीजल सबसे महंगा है। जबकि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह जैसे छोटे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में ईंधन की कीमतें सबसे कम हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री सुरेश गोपी ने ईंधन की कीमतों में असमानताओं पर एक सवाल के जवाब में बताया कि आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 109.74 रुपये है, जबकि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में इसकी कीमत 82.46 रुपये है। उन्होंने कहा, पेट्रोल और डीजल



की अंतिम बिक्री कीमतों में केंद्र सरकार द्वारा तय एक्साइज ड्यूटी और संबंधित राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों द्वारा तय वैल्यू एडेड टैक्स (वैट)/टैक्स शामिल होता है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग माल ढुलाई दरों और वैट के चलते पूरे देश में कीमतें अलग-अलग ▶10



# तीसरे चरण के चुनाव के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था विजय रैलियों पर प्रतिबंध : नितिका पंत

आसिफाबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले में तीसरे चरण के पंचायत चुनावों को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की गई है। जिला पुलिस अधीक्षक नितिका पंत (आईपीएस) ने स्पष्ट किया है कि चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद किसी भी प्रकार की विजय रैली की अनुमति नहीं होगी तथा चुनाव नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।एसपी नितिका पंत ने बताया कि जिले में स्थानीय निकाय चुनावों के पहले और दूसरे चरण को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में जिला पुलिस एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसी तर्ज पर तीसरे चरण के चुनाव के लिए भी पूरी तैयारी कर ली गई है।उन्होंने जानकारी दी कि आसिफाबाद, रेब्बेना, तिरियानी और



कागजनगर मंडलों में 17 दिसंबर को तीसरे चरण के तहत 108 ग्राम पंचायत सरपंच और 938 वार्ड सदस्य पदों के लिए मतदान कराया जाएगा। चुनाव की सुरक्षा के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है।

**मौन अवधि और निषेधाज्ञा लागू**  
एसपी ने बताया कि मतदान से 48 घंटे पूर्व, यानी सोमवार शाम 5 बजे से मौन अवधि लागू रहेगी। इस अवधि के दौरान चुनावी सभाएं, जनसभाएं, घर-घर जाकर

प्रचार, लाउडस्पीकर का उपयोग, रैलियां और बाइक रैलियां पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगी।उन्होंने बताया कि सोमवार शाम 5 बजे से चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने तक जिले में सीआरपीसी की धारा 163 (पूर्व में धारा 144) लागू रहेगी। मतदान केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा। उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को मतदान केंद्रों के आसपास एकत्र होने से रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे।

**795 अधिकारियों की तैनाती**  
एसपी नितिका पंत ने बताया कि तीसरे चरण के चुनाव के लिए कुल 795 अधिकारियों और कर्मचारियों को तैनात किया गया है। इनमें 611 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी तथा 184 अन्य विभागों के कर्मचारी शामिल हैं, जिनमें वन विभाग, सिंगारेनी, उत्पाद शुल्क, ट्रांसको और एसीबी

विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। मतदान केंद्रों पर विशेष गार्ड, निगरानी दल, क्षेत्र सुरक्षा दल, गश्ती दल और स्ट्राइक फोर्स तैनात की गई है।उन्होंने दोहराया कि मतदान से 48 घंटे पहले से किसी भी प्रकार के प्रचार कार्यक्रमों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद किसी भी प्रकार की विजय रैली या बाइक रैली की अनुमति नहीं दी जाएगी। विजय समारोह केवल तीसरे चरण के चुनाव समाप्त होने के बाद संबंधित अधिकारियों द्वारा निर्धारित तिथियों पर ही आयोजित किए जा सकेंगे।अंत में एसपी नितिका पंत ने जनता, उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों से चुनाव आचार संहिता का सख्ती से पालन करने तथा शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने में पुलिस प्रशासन को पूरा सहयोग देने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी जाए।

## आरक्षण के जनक साहू महाराज को श्रद्धांजलि



**आसिफाबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** कोल्हापुर के प्रथम महाराजा एवं आरक्षण के जनक माने जाने वाले राजर्षि शाहू महाराज की 276वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सोमवार को जेतवान विहार में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा उनके चित्र पर पुष्पमालाएं अर्पित की गईं तथा पंचशील का पाठ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय बौद्ध महासभा के जिला अध्यक्ष अशोक महलुकर,

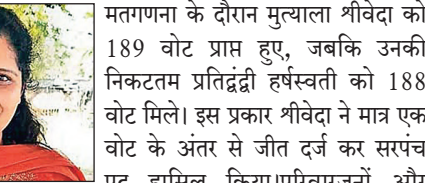
समता सैनिक दल के जिला अध्यक्ष दुर्गम सदीप तथा मंडल भारतीय बौद्ध महासभा के मानद अध्यक्ष जयराम उग्रलू ने कहा कि राजर्षि शाहू महाराज ने भारतीय संविधान के निर्माण के दौरान शामिल किया, जिससे सामाजिक न्याय की मजबूत नींव रखी गई। इस कार्यक्रम में अंबेडकर संगम समाज के अध्यक्ष श्याम राव लाहजी दरगाह, नेता प्रताप, रमेश, विवेक, सुरेश, नूतन, प्रकाश, शीधर सहित बड़ी संख्या में अनुयायी एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

लागू किया। वक्ताओं ने यह भी उल्लेख किया कि डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने बाद में इसी आरक्षण व्यवस्था को भारतीय संविधान के निर्माण के दौरान शामिल किया, जिससे सामाजिक न्याय की मजबूत नींव रखी गई। इस कार्यक्रम में अंबेडकर संगम समाज के अध्यक्ष श्याम राव लाहजी दरगाह, नेता प्रताप, रमेश, विवेक, सुरेश, नूतन, प्रकाश, शीधर सहित बड़ी संख्या में अनुयायी एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## अमेरिका से तेलंगाना तक: एक वोट ने बहू को बनाया सरपंच

**आसिफाबाद/निर्मल, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** लोकतंत्र में हर वोट की अहमियत को दर्शाने वाली एक रोचक और प्रेरक घटना निर्मल जिले से सामने आई है। यहां सरपंच चुनाव में बहू की जीत केवल एक वोट से तय हुई, और यह एक वोट अमेरिका से आए परिवारजन द्वारा डाला गया था। यह घटना स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बनी हुई है।तेलंगाना में पंचायत चुनाव के दूसरे चरण के तहत निर्मल जिले के लोकेश्वरम मंडल स्थित बागपुर गांव में सरपंच पद के लिए कड़ा मुकाबला देखने को मिला। गांव की मुत्तयाला शीवेदा ने सरपंच उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा। उनके समर्थन में अमेरिका में रह रहे उनके ससुर पक्ष के परिजन मुत्तयाला इंद्रकरण रेड्डी विशेष रूप से अपने गृहनगर लोटे और मतदान के दिन अपने मताधिकार का प्रयोग किया।रविवार को बागपुर गांव में मतदान

शांतिपूर्ण लेकिन बेहद उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। गांव में कुल 426 मतदाता थे, जिनमें से 378 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।



मतगणना के दौरान मुत्तयाला शीवेदा को 189 वोट प्राप्त हुए, जबकि उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी हर्षस्वती को 188 वोट मिले। इस प्रकार शीवेदा ने मात्र एक वोट के अंतर से जीत दर्ज कर सरपंच पद हासिल किया।परिवारजनों और ग्रामीणों का कहना है कि अमेरिका से आए मुत्तयाला इंद्रकरण रेड्डी द्वारा डाला गया एक वोट ही जीत का निर्णायक कारण बना। उनका मानना है कि यदि वे मतदान के लिए विदेश से गांव नहीं आते, तो परिणाम कुछ और हो सकता था।यह घटना लोकतंत्र की ताकत को दर्शाती है और यह संदेश देती है कि हर एक वोट का महत्व होता है, चाहे वह कितनी भी दूर से आकर क्यों न डाला गया हो।

## समय पर मतदान केंद्रों पर पहुंचें अधिकारी व कर्मचारी : जिला निर्वाचन अधिकारी

मंचेरियाल, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले में द्वितीय सामान्य पंचायत चुनावों के तहत 17 दिसंबर को होने वाले तीसरे चरण के मतदान को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर कुमार दीपक ने चुनाव ड्यूटी में तैनात सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समय पर अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं।सोमवार को कलेक्टर कुमार दीपक ने कोटपल्ली, चेन्नूर, भीमाराम, जयपुर और मंधमरी मंडलों में स्थापित चुनाव सामग्री वितरण केंद्रों का निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि 16 दिसंबर को सभी अधिकारी



एवं कर्मचारी निर्धारित समय पर वितरण केंद्रों पर रिपोर्ट करेंगे तथा मतदान केंद्रवार आवश्यक चुनाव सामग्री प्राप्त करेंगे। कलेक्टर ने कहा कि तीसरे चरण में 17

दिसंबर को संबंधित मंडलों में ग्राम पंचायत सरपंच एवं वार्ड सदस्यों के चुनाव संपन्न होंगे। मतदान सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक कराया जाएगा, जबकि मतगणना

दोपहर 2 बजे से प्रारंभ होगी। सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग के माध्यम से निगरानी की जाएगी। उन्होंने मतदाताओं से निर्भय होकर मतदान करने तथा अधिकारियों से निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने का आह्वान किया।इसके पश्चात कलेक्टर ने कोटपल्ली मंडल स्थित सरकारी आदिवासी बालिका आश्रम हाई स्कूल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में पेयजल, शौचालय, रसोई, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता सहित अन्य सुविधाओं की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को छात्रों को गुण-वत्तापूर्ण शिक्षा एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

## पंचायत चुनाव की रंजिश में जानलेवा हमला, आरोपी हिरासत में

**आसिफाबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** पंचायत चुनाव में हार सहन न कर पाने के कारण एक गंभीर आपराधिक घटना सामने आई है। हारने वाले सरपंच उम्मीदवार के पति मोरले ने भाजपा उम्मीदवार की ओर से चुनाव जीतने वाली सरपंच वदाई तनुबाई के पति पोसेट्टी पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला करने का प्रयास किया।

घटना के दौरान ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को मौके पर ही रोक लिया। ग्रामीणों ने उसे रस्सी से बांधकर काबू में किया और उसकी पिटाई भी की। घटना की सूचना मिलते ही सिरपुर (टी) पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर पृथ्ठाछ शुरू कर दी है।



## तीसरे चरण के चुनाव शांतिपूर्ण कराने सभी व्यवस्थाएं पूरी : वेंकटेश धोत्रे



**आसिफाबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** जिले में दूसरे आम पंचायत चुनावों के तहत सरपंच एवं वार्ड सदस्यों के पदों के लिए होने वाले तीसरे चरण के चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। यह बात जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कही।

सोमवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्टर कार्यालय भवन परिसर के वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल से जूम मीटिंग के माध्यम से तीसरे चरण के चुनावों के संचालन को लेकर तहसीलदारों, मंडल परिषद विकास अधिकारियों (एमपीडीओ) तथा आसिफाबाद, रेब्बेना, तिरियानी और कागजनगर मंडलों के संबंधित रोड अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि दूसरे आम पंचायत चुनाव2025 के तीसरे चरण में सरपंच और वार्ड सदस्यों के लिए

होने वाले चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न होने चाहिए। उन्होंने बताया कि जिले में चिन्हित संवेदनशील एवं समस्याग्रस्त मतदान केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा वेबकास्टिंग के माध्यम से मतदान प्रक्रिया की निगरानी की जाएगी। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मतदान सामग्री वितरण केंद्रों पर मतदान कर्मचारियों को समय पर सभी आवश्यक चुनाव सामग्री उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, दूरस्थ ग्राम पंचायतों के मतदान कर्मचारियों को प्राथमिकता के आधार पर पहले रवाना किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी मतदान केंद्रों पर पर्याप्त कुर्शियां, मेजें और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि मतदान कर्मियों और मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।उन्होंने अधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि तीसरे चरण

में जिले की 104 ग्राम पंचायतों और 744 वार्ड सदस्यों के चुनाव शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।कलेक्टर ने आगे कहा कि मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद मतगणना कार्य शीघ्रता से संपन्न किया जाए तथा उप-सरपंच के चुनाव के लिए आवश्यक कर्मचारियों की समय पर नियुक्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि चुनाव से संबंधित सभी रिपोर्ट टी-पोल के निर्धारित प्रारूपों में समयबद्ध रूप से दर्ज की जाएं।अंत में कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि अधिकारी पूरी तत्परता और सतर्कता के साथ कार्य करें, ताकि तीसरे चरण के चुनाव भी पहले और दूसरे चरण की तरह शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सकें।इस बैठक में जिला पंचायत अधिकारी भिक्षापति गौड़ सहित सरकारी कार्यालयों, स्थानीय निकायों और सरकारी संस्थानों के लिए मतदान दिवस

## क्या मंचेरियाल नगर निगम के चुनाव होंगे, विकास की राह कब खुलेगी?

**मंचेरियाल, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** एक वर्ष से अधिक समय से अस्तित्व में आने के बावजूद मंचेरियाल नगर निगम विकास की दिशा में ठोस कदम नहीं उठा पा रहा है। शासी निकाय के अभाव में निगम का कामकाज लगभग ठप पड़ा हुआ है, जिससे आम जनता को बुनियादी सुविधाओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है।

सरकार द्वारा मंचेरियाल, नासपुर, वेमपल्ली, मुल्काला, गुडीपेट, चंदनपुर सहित अन्य गांवों को मिलाकर नगर निगम का गठन किया गया था। इसके बाद मंचेरियाल नगरपालिका के प्रशासन के अधीन आए कई महीने बीत चुके हैं, लेकिन नागरिकों को मिलने वाली मूलभूत सुविधाएं अभी भी केवल 'गारंटीशुदा' स्तर तक ही सीमित हैं। अधिकारी इस तर्क को मानने से इनकार कर रहे हैं कि नगर निगम बनने मात्र से विकास अपने आप हो जाएगा।

**सफाई के नाम पर लापरवाही**  
स्थानीय लोगों की शिकायत है कि वार्डों में जगह-जगह लगे कूड़े के ढेर इस बात का प्रमाण हैं कि नगर निगम शहर के साथ-साथ विलय किए गए गांवों में भी स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहा है। दैनिक कूड़ा संग्रहण अव्यवस्थित है। नालियों की नियमित सफाई न होने के कारण बारिश के समय निचले इलाकों में सीवेज

का पानी भर जाता है। हालांकि, आधिकारिक फाइलों में सफाई पर 'विशेष ध्यान' दिए जाने का उल्लेख किया जा रहा है।

**सड़कें: बिना रख-रखाव के विकास**  
मंचेरियाल शहर ही नहीं, बल्कि निगम में विलय किए गए गांवों की कई बस्तियों की सड़कें भी गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। एक स्थान पर सड़क की मरम्मत चल रही होती है, तो दूसरे स्थान पर खुदाई कर दी जाती है। इस अव्यवस्थित कार्यप्रणाली के कारण न केवल यातायात प्रभावित हो रहा है, बल्कि सरकारी धन की भी बर्बादी हो रही है। इस स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है, इस पर अधिकारी भी स्पष्ट जवाब नहीं दे पा रहे हैं।

**पेयजल और स्ट्रीट लाइट व्यवस्था बर्हाल**  
पेयजल समस्या का स्थायी समाधान अब तक नहीं हो पाया है, जबकि पिछले ग्रीष्मकाल में यह समस्या चरम पर पहुंच गई थी। वहीं, स्ट्रीट लाइटों के रख-रखाव में लापरवाही के कारण रात के समय सड़कें और बस्तियां अंधेरे में डूबी रहती हैं, जिससे दुर्घटनाओं और असुरक्षा की आशंका बनी रहती है।

**शिकायतों पर चुप्पी**  
नगर निगम क्षेत्र में बढ़ती समस्याओं के बावजूद जनता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतें कार्यालयों की फाइलों तक ही सीमित रह जाती हैं। ऑनलाइन शिकायत प्रणाली

उपलब्ध होने के बावजूद, समयबद्ध कार्रवाई के अभाव में यह केवल आंकड़ों तक सिमट कर रह गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अधिकारी जनता की समस्याओं के समाधान की अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ रहे हैं।

**अपर्यवेक्षित शासन**  
नगर निगम के शासी निकाय का कार्यकाल समाप्त होने और निगम के गठन की प्रक्रिया के बाद से प्रशासनिक निगरानी कमजोर पड़ गई है। प्रभारी अधिकारियों और कलेक्टर स्तर पर की जाने वाली जांच-पड़ताल केवल औपचारिकता बनकर रह गई है, जिससे जवाबदेही लगभग समाप्त हो गई है और लापरवाही आम बात बनती जा रही है।मंचेरियाल नगर निगम को नए वादों की नहीं, बल्कि जिम्मेदार और जवाबदेह शासन की आवश्यकता है। अधिकारियों को केवल फाइलों तक सीमित न रहकर सीधे जनता से जुड़ना होगा। अन्यथा, यह नगर निगम केवल नाम मात्र का रह जाएगा और नागरिकों की समस्याएं दिन-प्रतिदिन बढ़ती चली जाएंगी।

जनता की स्पष्ट मांग है कि राज्य में चरणबद्ध रूप से चल रहे स्थानीय निकाय चुनावों के बाद मंचेरियाल नगर निगम के चुनाव शीघ्र कराए जाएं, ताकि एक निर्वाचित शासी निकाय के माध्यम से विकास कार्यों को गति मिल सके।

## पंचायत चुनाव तीसरे चरण के लिए 17 दिसंबर को अवकाश की घोषणा

सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। केंद्र सरकार के कर्मचारी जो अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहते हैं, उन्हें सेवाओं की तात्कालिकता के अधीन उस दिन कार्यालय में देर से आने/जल्दी जाने/अल्पकालिक अनुपस्थिति नीति का उपयोग करने का अवसर दिया जाएगा।कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि मतदान दिवस सार्वजनिक भवनों, शैक्षणिक संस्थानों और चुनाव के लिए उपयोग किए जाने वाले अन्य भवनों के लिए सार्वजनिक अवकाश

माना जाएगा। साथ ही, मतदान दिवस से एक दिन पहले स्थानीय अवकाश माना जाएगा। यह घोषणा की गई है कि मतदान के दिन सरकारी और निजी संस्थानों/संगठनों के कर्मचारियों को घोषित क्षेत्रों में मतदान करने के लिए स्थानीय अवकाश दिया गया है। संबंधित अधिकारियों, सरकारी और निजी संस्थानों/व्यापार/औद्योगिक मालिकों से अनुरोध है कि वे अपने कर्मचारियों को मतदान करने के लिए उपरोक्त दिनों में सदैवतनिक अवकाश घोषित करें।





स्वास्थ्य

जोड़ों के दर्द का काल हैं ये 5 नुस्खे, देते हैं तुरंत आराम



**सर्दियों** का मौसम आते ही जोड़ों के दर्द की समस्या बढ़ जाती है। हड्डियों या जोड़ों में किसी भी प्रकार के विकार के कारण हड्डियों में दर्द और सूजन की दिक्कत उत्पन्न हो जाती है। जोड़ों में दर्द के बहुत से अन्य कारण भी हो सकते हैं जैसे जोड़ों पर यूरिक एसिड का इकठ्ठा होना। कभी कभी दर्द अनुवांशिक कारणों से भी जोड़ों में दर्द होता है तो कभी ये दर्द कमजोरी के चलते भी होते हैं। दर्द के चलते लोगों की काम करने की क्षमता पर भी काफी असर पड़ता है। यह दर्द उन जोड़ों में अधिक होता है जिन जोड़ों पर व्यक्ति ज्यादा निर्भर रहता है।

**व्या है यह रोग**  
जोड़ों में दर्द एवं सूजन के साथ साथ इस रोग में भिन्न भिन्न जोड़ों की रचना में अंतर आ जाता है तथा जोड़ों के कार्य में विकार आ जाता है। घुटने और कूल्हे प्रभावित होने पर रोगी चलने में असमर्थ हो जाता है जिसके कारण उसका वजन शुगर कोलेस्ट्रॉल एवं रक्तचाप भी बढ़ सकता है और अन्य बीमारियाँ भी हावी होने लगती हैं।

**व्या है जोड़ों में दर्द का कारण**  
आराम पसंद लोगों को या अपनी क्षमता से अधिक काम करने वालों को यह रोग जल्दी होता है।ब्यासी अन्न, अपच पैदा करने वाला खाना जैसे छोले,चना,मटर आदि का अधिक सेवन करना, ठंडी सीलन भरी जगहों में रहना, अधिक चिंता में पड़े रहना इसके प्रमुख कारण हैं।आयुर्वेद के अनुसार इन कारणों से दर्द का प्रमुख दोष वात प्रभावित हो जाता है जिससे संधियों की झिल्लियों में बदलाव आने लगता है तथा झिल्ली कमजोर होने लगती है। टेढ़े मेढ़े बैठने वाले व्यक्ति,लम्बे समय तक पालथी या एक ही आसन पर बैठना,कमर गर्दन झुकाकर कंप्यूटर फोन में लगातार एक ही अवस्था में कार्य करते रहना संधियों में विकृति ला देता है। हाथ पैर घुटने तथा अन्य अंग टेढ़े मेढ़े और सूजनयुक्त हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त यूरिक एसिड का बढ़ना, आमवात आदि कारण भी जोड़ों के दर्द के प्रमुख कारणों में से हैं।

**जोड़ों के दर्द से बचने के कुछ प्राकृतिक उपाय:**  
► जोड़ों के दर्द से बचाव के लिए मरीज को हमेशा गुनगुने पानी से नहाना चाहिए।  
► ऐसे आहार लें जिनसे कब्ज होने का डर ना हो।  
► फास्ट फूड से तौबा करें और तला भुना आहार भी कम खायें।  
► पाचन क्रिया को ठीक रखने के लिए आप त्रिफला चूर्ण का प्रयोग भी कर सकते हैं।  
► प्रातः प्राणायाम में कपालभाति, भास्त्रिका, अनुलोम विलोम जैसे व्यायाम करें।  
► सुबह शाम 15 मिनट तक गरम पानी में पैर डालें और ध्यान रखें कि ऐसा करते समय आपके पैरों में हवा ना लगे।  
► इस रोग का उपचार करने में तुलसी बड़ी कारगर भूमिका निभाती है क्योंकि तुलसी में वात विकार को मिटाने का प्राकृतिक गुण होता है। तुलसी का तेल बनाकर दर्द वाली जगह लगाने से तुरंत आराम मिलता है।  
► ज्यादा तकलीफ होने पर नमक मिले गरम पानी का सेंका करें व हल्के गुनगुने सरसों के तेल की मालिश करें।



गुजरात की ये 7 जगह हैं खास



**गुजरात** इन दिनों चुनाव और उसके नतीजों को लेकर सुर्खियों में रहा। ऐसे में इस राज्य में घूमने-फिरने के लिए क्या खास है, ये भी जानना जरूरी हो जाता है। चलिए, आज हम आपको बताते हैं, गुजरात में सैर-सपाटे की सबसे खास जगह।

**गिर नेशनल पार्क**  
गिर नेशनल पार्क में आपको एशियाई शेर के अलावा कई जानवरों की 40 अन्य प्रजातियाँ आश्रम, सिंदि सईद मस्जिद में घूम सकते हैं। आपको यहां गुजराती व्यंजनों से सजी थाली आसानी से मिल जाएगी। आप

**अहमदाबाद**  
अहमदाबाद को विश्व धरोहर शहर घोषित किया गया है। अगर आप धार्मिक स्थलों पर घूमने-फिरने के शौकीन हैं, तो आप अहमदाबाद के स्वामीनारायण मंदिर, साबरमती आश्रम, सिंदि सईद मस्जिद में घूम सकते हैं। आपको यहां गुजराती व्यंजनों से सजी थाली आसानी से मिल जाएगी। आप



इस आश्रम में एक संग्रहालय है, जहां पर महात्मा गांधी से जुड़े अवशेष, तस्वीरें और प्रदर्शनी आदि लगाई जाती है। इस आश्रम में 90 मिनट की सैर में मगन निवास, उपासना मंदिर आदि देख सकते हैं। आश्रम के बाहर स्ट्रीट फूड के बहुत सारे ऑप्शन मौजूद हैं।

**लक्ष्मी विलास पैलेस**  
राजसी टाट-बाट से सजा लक्ष्मी विलास महल वड़ोदरा में स्थित है। ये खूबसूरत महल बकिंगघम पैलेस से भी चार गुना बड़ा बताया जाता है। इस महल का एक हिस्सा पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है जहां महाराजा फतेह सिंह संग्रहालय है. यहां पर संगमरमर और कांस्य की कलाकृतियां देख सकते हैं। यहां पर आपको कई बेहतरीन रेस्टोरेंट मिलेंगे, जहां आप अपनी पसंद के खाने का मजा ले सकते हैं।

**रण ऑफ कच्छ**  
गुजरात का सफर रण ऑफ कच्छ को देखे बिना अधूरा है। ये दुनिया का सबसे बड़ा सॉल्टस रेगिस्तान है। कच्छ आने का सही समय 'रण उत्सव' है। ये उत्सव हर साल नवम्बर में आयोजित किया जाता है।

**द्वारका**  
द्वारका चार धाम में से एक है। यहां गोमती नदी का दृश्य बहुत ही मनोरम लगता है. यहां द्वारकाधीश मंदिर में जन्माष्टमी के दिन दीवाली जैसा माहौल होता है। मंदिर के पास आपको मिठाई की बहुत-सी दुकानें मिलेंगी। गुजरात की कई स्पेशल मिठाई आपको द्वारका के आसपास के बाजारों में मिल जाएगी।

चेहरे की झुर्री और पिंपल्स को तुरंत गायब करे एप्पल साइडर वेनिगर

आज कल एप्पल साइडर वेनिगर का बोलबाला है। हर कोई इसे मोटापा कम करने के लिये या फिर त्वचा पर लगाने के लिये यूज करने में लगा हुआ है। एप्पल साइडर विनेगर में मैलिक एसिड भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो एक शक्तिशाली एंटीफंगल एजेंट की तरह काम करता है, त्वचा की अशुद्धियों को साफ करता है, संक्रमण पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मारता है और त्वचा को साफ करता है। इसके अलावा यह त्वचा के पीएच बैलेंस (संतुलन) को बनाये रखता है और त्वचा को बहुत अधिक तैलीय या बहुत अधिक शुष्क होने से बचाता है। एप्पल साइडर विनेगर में एमिनो एसिड्स होते हैं जो त्वचा की नमी को बनाये रखते हैं ताकि त्वचा के रोम छोद्रों से नमी बाहर न निकल सकें और यह फाइन लाइंस को भी दूर करते हैं।



**दाग और झाइयों को दूर करे**  
इसमें अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड होता है जो कि स्किन के रंग को हल्का कर देता है और पिगमेंटेशन को दूर कर देता है। इसलिये यह झाइयों को दूर करने में मददगार साबित होता है। कई सारे कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स इस चीज का इस्तमाल अपने प्रोडक्ट में जरूर करते हैं।

**झुर्रियां मिटाए**  
पहले से पड़ी हुई झुर्रियों को तो यह नहीं मिटा सकता लेकिन आने वाली झुर्रियों को यह रोक सकता है। सिरका स्किन को हाइड्रेट रखने में मदद करता है और स्किन को टाइट बनाता है।

**मुंहासे मिटाए**  
मुंहासे मिटाने के लिये आप, एक चम्मच मुलतानी मिट्टी लें और इसमें समान मात्रा में एप्पल साइडर विनेगर मिलाएं। इसमें एक चम्मच शहद मिलाएं और पेस्ट बनायें। इसकी पतली परत चेहरे और गर्दन पर लगायें। इसे 15 मिनट तक लगा रहें दें और फिर साफ पानी से धो डालें। त्वचा को साफ और नरम बनाये

रखने के लिए इसे सप्ताह में दो बार लगायें। यह त्वचा से अत्यधिक तेल को साफ करेगा और स्किन को भी टोन करेगा।

**स्किन को टोन करता है**  
त्वचा के प्राकृतिक पीएच बैलेंस को बनाये रखने के लिए इस सरल पैक का उपयोग करें। 1/2 कप विनेगर में एक कप साफ पानी मिलाएं। इस मिश्रण में रुई के फाहे को डुबायें और इसे त्वचा पर लगायें। इसे पांच मिनट तक लगा रहने दें और बाद में ठंडे पानी से धो डालें। बचे हुए मिश्रण को एयर टाइट डिब्बे में रखें।

**चेहरे से रेडनेस मिटाए**  
एप्पल साइडर वेनिगर चेहरे पर पड़े रेड मार्क को मिटाता है। इसमें आफ्टीफलेमेटरी प्रॉपर्टी होता है जो कि रेजर से जले घाव को भी ठीक करता है। यह घाव और चोट को ठीक करने में मदद करता है और इन्फेक्शन नहीं होने देता। इसको लगाने से थोड़ा दर्द तो होगा पर इतना नहीं कि आप सह ना पाएं।



**नोट:**  
इसे लगाने से पहले हमेशा एक बार पैच टेस्ट कर लें और देख लें कि कहीं आपको स्किन संवेदनशील तो नहीं बन गई है। अगर आपकी स्किन की खाल उतने लगे या फिर रूखी लगने लगे तो इसका प्रयोग तुरंत ही बंद कर दें।

**स्किन को डिटॉक्स करे**  
इसमें एसेटिक एसिड पाया जाता है जो कि एंटी बैक्टीरियल गुणों से भरा होता है। यह स्किन को साफ करने में मदद करता है और त्वचा से टॉक्सिन मिटाता है। इससे स्किन रिफ्रेश दिखती है और साफ भी।

टिप्स

शादी के दिन आपकी खूबसूरती में चार-चांद लगा देंगे ये टिप्स



◆ आभूषण सिर्फ स्त्रियों को ही नहीं बल्कि पुरुषों को भी आकर्षित करते हैं। मेल एक्सेसरीज का चलन भारतीय समाज में सदियों से रहा है। शादी-ब्याह के इस अवसर पर बने राजा के लिए किस तरह की एक्सेसरीज चलन में हैं आइए जानें।  
◆ बने की पगड़ी की सजावट कलगी के बिना अधूरी है और कुंदन की बनी कलगी बढ़ाएगी इसकी शान।  
◆ गोल्ड और प्लेटिनम से बने और हीरों से जड़े इस गुलबंद हार को बड़ी बारी की से डिजाइन किया गया है।  
◆ शेरवानी, कोट और कुतों में कफलिंस का चलन बहुत पुराना है। कुंदन के बने ये कफलिंस आपको जरूर आकर्षित करेंगे। मोतियों और कुंदन से बना हार बने की शान और शेरवानी के लुक, दोनों को बढ़ाने के लिए काफी है।शाही घरानों से निकलकर ब्रॉच का फैशन अब क्लासिक और फॉर्मल लुक की शान बढ़ा रहा है।  
◆ आभूषणों की जगमगाहट से दुलहन का श्रृंगार और भी खिल उठता है। शादी-ब्याह के अवसर पर गहनों की डिजाइन को भी दुलहन की पसंद के अनुसार ही बनाया जाता है। कुंदन से बना यह जड़ाऊ हार आपके महत्वपूर्ण दिन को बना देगा और भी खूबसूरत रजवाड़ा स्टाइल का यह हार गोल्ड, कुंदन और मोती से मिलकर बना है पारंपरिक डिजाइन से अलग यह ब्रेसलेट गोल्ड और हीरे से बने नायाब डिजाइन का तमूना है।

कोल्ड शोल्डर: कंधों को बनाएगा आकर्षक यह फैशन ट्रेंड

**फैशन**  
की दुनिया का नया चलन है कोल्ड शोल्डर। इससे आपके कंधे और ज्यादा आकर्षक दिखते हैं। तीन दशक पहले यानी 80 के दशक में चले एक खास चलन कोल्ड शोल्डर ने फैशन की दुनिया में वापस दस्तक दी है। कई नए रंगों व प्रयोगों के साथ आए इस चलन तैयार किया जाता है। कोल्ड शोल्डर को एक नया अंदाज दिया जा रहा है। फैशन का यह वाली ड्रेस पहनकर कंधे आकर्षक अंदाज नए ट्रेंड के शौकीनों को एक नए रंग में रंग रहा है। डेनिम हो या शीअर शिफॉन या फिर पिछले साल वाले को मॉडर्न लुक भी मिलता है। की सर्दियों के स्वेटर, जैकेट में भी हर जगह कट भारतीय परिधानों में साड़ी व लहंगे ऑफ शोल्डर ही छाया रहा है। वुलन कपड़ों में भी के साथ ब्लाउज में भी यह कट दिया जाता है। कुछ समय पहले तक ऑफ चुकी हैं। कुछ खास दिखने की चाहत के साथ ही शोल्डर व वन शोल्डर ड्रेस काफी गर्मी से भी काफी हद तक निजात पाने की कोशिश चलन में थीं, लेकिन कोल्ड शोल्डर ने हर कोई करता है। आइए, जानते हैं, इस तेज इन सारे ही चलन को पीछे छोड़ दिया है। धूप वाले मौसम में कैसे फैशन के इस नए अब टी-शर्ट से लेकर वन पीस ड्रेस तक में इस ट्रेंड को अपनाया जा रहा है।

**व्या है कोल्ड शोल्डर चलन**  
अगर आप अपने कंधों को ज्यादा दिखाना भी नहीं चाहतीं, लेकिन हॉट लुक पाना चाहती हैं तो कोल्ड शोल्डर का यह चलन आपके लिए ही है। कोल्ड शोल्डर परिधानों में कंधों पर कट देकर या स्ट्रिप जोड़कर कंधों पर कट देकर या स्ट्रिप जोड़कर तैयार किया जाता है। कोल्ड शोल्डर वाली ड्रेस पहनकर कंधे आकर्षक भी लगते हैं और साथ ही पहनने में भी आसानी है। कोल्ड शोल्डर चलन में थीं, लेकिन कोल्ड शोल्डर ने इन सारे ही चलन को पीछे छोड़ दिया है। अब टी-शर्ट से लेकर वन पीस ड्रेस तक में इस ट्रेंड को अपनाया जा रहा है।

**सभी के लिए है यह अंदाज**  
कोल्ड शोल्डर का चलन हर उम्र की महिलाओं के वॉर्डरोब में देखा जा रहा है। यह साड़ी, लहंगे के ब्लाउज और सूट की बाजुओं को भी आकर्षक अंदाज दे रहा है। 20 से लकर 45 साल तक की महिलाएं इसे अपने वॉर्डरोब का हिस्सा बना सकती हैं। फैशन डिजाइनर अनुपमा दयाल बताती हैं, 'यह चलन सभी के लिए है और हर तरह के पहनावे को निखारता है। पर, इसे पहनते वक्त तालमेल का ध्यान जरूर रखें।'

**कैसे पहनें कोल्ड शोल्डर ड्रेस**  
वैसे तो हर तरह के कंधे पर यह स्टाइल अच्छा लगता है, लेकिन इसे पहनते वक्त भी कुछ बातों को ध्यान में रखना जरूरी हो जाता है। घेरदार बाहों के कोल्ड शोल्डर टॉप को हमेशा अच्छी फिटिंग वाली जींस या स्कर्ट के साथ पहनें। वहीं अगर अच्छी फिटिंग वाला टॉप पहन रही हैं तो साथ में पलाजो या ए लाइन स्कर्ट पहनें। लहंगों में क्रॉप टॉप स्टाइल में कोल्ड शोल्डर खूब फबते हैं। ऑफिस वीयर में हमेशा कम कट वाले कोल्ड शोल्डर टॉप या शर्ट पहनें।



सर्दी के मौसम में शिशु पड़ते हैं जल्दी बीमार, ऐसे करें देखभाल



● नवजात शिशु के कमरे का तापमान 28-29 सेंटिग्रेड अनुकूल रहता है। इसे रूम थर्मामीटर की मदद से जांच सकते हैं। ध्यान रहे, अत्यधिक ठंडे कमरे में शिशु को हाइपोथर्मिया हो सकता है, जबकि अत्यधिक गर्म कपड़े लपेटने से बुखार आ सकता है।  
● शिशु की धूप में मालिश करना अच्छा रहता है, पर ध्यान रखें कि इस दौरान वह ठंडी हवा से न जकड़ जाए।  
● आमतौर पर हम नहलाने से पहले शिशु की मालिश करते हैं, पर नहलाने के बाद भी मालिश करना और अधिक उपयोगी होता है, क्योंकि तेल की यह परत नैनिहालों के लिए हीट इंसुलेटर का काम करेगी। नन्हें-मुन्नों की मालिश गर्म कमरे में करें।  
● ब्लोअर या रूम हीटर का मुंह बच्चे के सामने न रखें, न ही उनके बहुत करीब रखें। बच्चे के सामने या करीब रखने पर उसे अत्यधिक गर्मी पहुंचेगी। एक और बात का विशेष ध्यान रखें, ब्लोअर या रूम हीटर से थोड़ी दूर पर एक गहरे बर्तन में पानी अवश्य रखें। इसकी भाप पूरे कमरे में नमी बनाएगी और इससे शिशु को सांस लेना सुखद रहेगा।  
● नवजात शिशु के बिस्तर में गर्म पानी की बोतल के इस्तेमाल से बचें। इससे उनके जलने का खतरा रहता है।  
● इस मौसम में अक्सर घर के सदस्यों को खांसी-जुखाम हो जाता है। संक्रमित लोग शिशु से दूर रहें। फेस मास्क पहनें व साबुन से हाथ धोकर ही बच्चे को छुएं।

रेसिपी

**पाइनएप्पल खोया बर्फी**  
**सामग्री**  
1 बड़े साइज का पाइनापल (गोल स्ला-इस में कटा हुआ), 1 कप ताजा खोया, पिंसी इलायची, केसर के लच्छे, 1 बूंद खाने वाला पीला रंग, 1 चम्मच चीनी

**विधि**  
एक बर्तन में पाइनापल डालें, उसके ऊपर से शकर बुरकाएं। कुकर के तल में थोड़ा पानी रखें व पाइनापल के उस बर्तन को उसमें रख दें। अब 15-20 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। ठंडा होने दें, फिर मिक्सी में महीन पीसकर सूप बनाने की छलनी से छानकर पाइनएप्पल का पल्प तैयार कर लें। अब एक कड़ाही में पाइनएप्पल का तैयार पल्प और शकर डालकर धीमी आंच पर चलाते हुए गाढ़ा कर लें। दूसरी तरफ एक कड़ाही में मावा सेंक लें, फिर मावे को पाइनापल में मिक्स करके गाढ़ा होने तक सेंकें। ऊपर से पिंसी इलायची, पीला रंग और केसर के लच्छे डालें और हिलाएं। अब एक थाली में घी का हाथ लगाकर मिश्रण को फैलाएं। मिश्रण ठंडा होने और अच्छी तरह जमने पर चाकू से आप बर्फी काट लें। अब एयरटाइट डिब्बे में भरकर रखें और जब मनचाहे तब पाइनापल-खोया की स्वादिष्ट बर्फी खाएं।

**मोहन भोग**  
**सामग्री**  
सूजी- 1 कप ,चीनी- 1/2 कप, दूध- 1 कप , पानी- 1 कप,घी- 1/2 कप, किशमिश- 2 चम्मच,तेजपत्ता- 1, इलायची पाउडर- 1 चम्मच, केसर- चुटकी भर , काजू- 2 चम्मच

**विधि**  
एक पैन में पानी, दूध, चीनी, केसर और इलायची पाउडर डालकर चीनी के घुलने तक धीमी आंच पर पकाएं। कड़ाही में घी गर्म करें और सूजी को सुनहरा होने तक भूनें। अब धीरे-धीरे दूध वाले मिश्रण को कड़ाही में डालें। धीमी आंच पर लगातार मिश्रण को मिलाते हुए पकाएं। सूजी को तब तक पकाएं, जब तक सूजी कड़ाही में चिपकनी बंद न हो जाए। गैस ऑफ कर दें और कड़ाही को कम-से-कम दो मिनट के लिए ढक दें। एक छोटे-से पैन में एक चम्मच घी गर्म करें और उसमें काजू और किशमिश को काजू के सुनहरा होने तक भूनें। पुने हुए मेवों को मोहन भोग में डालकर मिलाएं और सर्व करें।



## सिर्फ एक योगासन और पाएं पूरी

# बॉडी के फैट से निजात

आज हर दूसरा व्यक्ति मोटापा से परेशान है। इसका मुख्य कारण खराब दिनचर्या, खानपान का ध्यान न रखना, जंक फूड आदि। वजन बढ़ जाने के कारण न जाने कितनी एक्सरसाइज, डाइटिंग बगैरह करते हैं। जिससे कि इस मोटापा से निजात मिल जाएं। अगर आप भी मोटापा से परेशान हैं, तो हम अपनी खबर में ऐसे योग के बारे में बताएंगे। जिसे करने से आप शरीर की एक्स्ट्रा चर्बी से निजात पा सकते हैं। इस योगासन का नाम है वशिष्ठासन। इस आसन को करने के लिए आपकी बॉडी में काफी ताकत और लचीलापन होना चाहिए। इस आसन से आप अपनी हिप्स, थाइज, हाथ, कंधे और शरीर के बीच के हिस्सों का फैट कम करता है। साथ ही इस आसन को करने से बैलेंस और एकाग्रता भी बढ़ती है। ऐसे करें इस आसन को।



- सबसे पहले जमीन पर मैट डालकर पेट के बल सीधा लेट जाएं।
- चेहरे के बगल में अपनी हलेशियां रख दें। अब अपने दोनों पैरों को मोड़ लें इस तरह कि आपके पैर कि उंगलियां ऊपर की तरफ हों।
- अब हाथ को जमीन से ऊपर उठाएं और हिप्स को भी उठाने की कोशिश करें। इस तरह आप अधो मुखासन में आ जाएंगे।
- इसके बाद सांस अंदर लें, धड़ को नीचे की तरफ रखें। आपके कंधे और चेस्ट आपके हाथ के ऊपर होने चाहिए।
- अब धीरे-धीरे अपना वजन दाएं हाथ पर डालें।
- अब धड़ को तिरछा करें और दाएं हाथ को उठाएं, दाएं घुटने को मोड़ें और बाएं हाथ से दाएं हाथ के पैर का अंगुठा पकड़ें।



- अपने वजन को दाएं हाथ पर ले आएँ और बाएं पैर को ऊपर उठाएं।
- अब अपनी पीठ के बाएं हिस्से को नीचे लाएं और फिर प्लैक पोजिशन में आ जाएं। अब इसे दूसरी तरफ से करें। इस आसन को करने से थोड़े दिनों में ही आप मोटापा से निजात पा सकते हैं।
- इस आसन को करने के साथ-साथ कुछ सावधानी भी बरतनी चाहिए। यह आसन सभी लोग नहीं कर सकते हैं। इसके साथ ही इन बातों का रखें ख्याल।
- अगर आपकी कलाई या कंधे में किसी तरह की चोट लगी है तो इस एक्सरसाइज को करने से बचें।
- प्रेगनेंसी और पीरियड्स के दौरान महिलाएं इस आसन को न करें।

## पर्यटकों के लिए है बहुत कुछ

# मंदिरों के राज्य ओड़िसा में

आप कालक्रम के अनुसार मंदिरों का विकास देख सकते हैं। यहां छठी शताब्दी के मंदिर से लेकर 13वीं शताब्दी तक के मंदिर हैं। यहां तक कि आधुनिक मंदिर भी देखे जा सकते हैं। ओड़िशा की राजधानी और मंदिरों का शहर है भुवनेश्वर। शानदार कोणार्क का सूर्य मंदिर और पुरी का जगन्नाथ मंदिर ओड़िसा का सुनहरा त्रिकोण बनाता है। 13वीं शताब्दी में बने कोणार्क के ये बेहतरीन स्मारक न सिर्फ विश्व विरासत हैं बल्कि वास्तुकला और मूर्तिशिल्प की बेजोड़ कारीगरी हैं।

यहां 480 किलोमीटर लम्बी तटरेखा एक तरफ पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश को भी छूती है। यहां के खूबसूरत और अनछुए समुद्री तट दर्शनीय हैं जैसे चांदीपुर, तलसारी, कोणार्क, रामचंडी, पुरी, गोपालपुर और पतीसोनापुर। एशिया की सबसे बड़ी झील चिलिका यही है। लगभग 1100 वर्ग किलोमीटर में फैली यह झील लाखों पक्षियों और टंड में आने वाले प्रवासी पक्षियों का निवास भी है। यहां पर डॉलफिन को भी देखा जा सकता है।

ओड़िसा को प्रकृति का खजाना भी कहते हैं। यहां के लगभग 37 फीसद हिस्से में घना जंगल है। यहां दो राष्ट्रीय उद्यान सिमिलिलपल और भितैरकनिका के अलावा 20 अभयारण्य भी हैं। सिमिलिलपल में रॉयल बंगाल टाइगर और भितैरकनिका में

ओड़िशा में पर्यटकों के लिए बहुत कुछ है। जैसे- पारंपरिक चीजें, पुराने समय जैसा माहौल। यह ऐसा राज्य है जहां खूबसूरत समुद्री तट, झीलें, अभयारण्य, बेहतरीन स्मारक, मनमोहक हस्तकला, पारंपरिक त्योहार और मेले, स्वाटिष्ट व्यंजन सब मिलकर पर्यटकों को अविस्मरणीय स्मृतियां देता है। पारंपरिक रूप से ओड़िशा भगवान जगन्नाथ की भूमि मानी जाती है। यहां असंख्य मंदिर हैं।



मगरमच्छ (घड़ियाल) और माइग्रेटरी पक्षियों को देखा जा सकता है। भुवनेश्वर से सटा है नंदनकानन वन, जिसे जैविक पार्क कहते हैं जहां खत्म होते सफेद बाघ को

बचाने की कोशिश की जा रही है।

ओड़िसा में त्योहार और मेले का आनंद लोग बेहद उत्साह से लेते हैं। पुरी की रथ यात्रा यहां के भव्य समारोहों में से एक है, जिसे देखने के लिए पूरे देश से पर्यटक और भक्त आते हैं। ओड़िसा में दूसरे त्योहार भी बड़े ही उल्लास के साथ मनाए जाते हैं। जैसे धनुयात्रा, चंदक मेला, दुर्गा पूजा और लक्ष्मी पूजा। यहां का कोणार्क नृत्य, श्रीक्षेत्र उत्सव, तोशाली नेशनल क्राफ्ट मेला पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करता है। ओड़िसा का घुमरा नृत्य यहां के बेहतरीन लोक नृत्यों में से एक है।

यहां बेहतरीन ओड़िशी नृत्य निराला है। यह यहां की वास्तुकला में भी देखने को मिलता है। यह नृत्य लगभग 2000 साल पुराना है और आज भी बेहतरीन नृत्यों में से एक है। लोक और आदिवासी नृत्य-संगीत ओड़िशा की शोभा बढ़ाते हैं। यहां की 62 जनजातियां पहाड़ी क्षेत्रों में रहती हैं। इन जनजातियों का रहन-सहन यहां के निवासियों में भी दिखाई देता है। हाल ही में ओड़िसा को भारत के नौवें सबसे बड़े क्षेत्र वाले राज्य का दर्जा हासिल हुआ है। ओड़िशा सड़क, रेल, हवाई मार्ग यहां तक कि समुद्री यातायात से भी जुड़ा है। आप किसी भी मौसम में वहां जा सकते हैं। पूरी साल वहां का मौसम सुहावना रहता है।

## चाहते हैं बेहतर जीवनसाथी?

# ऐसे करें चुनाव

**बात चाहे लव मैरिज की हो या अरेंज मैरिज की, हर लड़की यही चाहती है कि उसे एक ऐसा जीवनसाथी मिले जो वास्तव में जीवनभर उसका साथ निभाए। उनका रिश्ता हमेशा फूलों की तरह महकता रहे और उसमें किसी प्रकार की परेशानियां या मतभेद पैदा न हों। लेकिन आमतौर पर ऐसा देखने को नहीं मिलता। बहुत से कपल्स तो शादी के तुरंत बाद ही छोटी-छोटी बातों पर लड़ने लगते हैं। अगर आप भी अपने लिए एक परफेक्ट पार्टनर ढूंढ रही हैं तो कुछ बातों का रखें ध्यान-**

### रिश्ते को दें तक्जो

अगर आप किसी के साथ विवाह के बंधन में बंधने का फैसला ले रही हैं तो उससे पहले उस व्यक्ति का भी अपने रिश्ते में भरोसा व उसके प्रति सम्मान होना बेहद आवश्यक है। जब आप अपने भावी जीवनसाथी से बातचीत करें तो यह समझने की कोशिश करें कि वह अपने परिवार व वैवाहिक रिश्तों में तालमेल बिठा पाएगा या नहीं।

### मुश्किलों से दूरी नहीं

आमतौर पर जब भी किसी कपल्स में मनमुटाव होता है तो वह सबसे पहले बातचीत करना बंद कर देते हैं। समस्या पर खुलकर बात करने व उसका एक हल निकालने की बजाय उसे यूं ही छोड़ देते हैं। इससे समस्या खत्म नहीं होती, बल्कि वास्तव में बढ़ती है। एक बेहतर पार्टनर वही होता है जो समस्या से दूर भागने की बजाय उसकी जड़ को समझकर उसका सही तरीके से हल निकाले।

### छोटी-छोटी बातों पर ध्यान

जब कोई व्यक्ति अकेला होता है तो वह जीवन अपनी मर्जी से जीता है। लेकिन जब एक रिश्ता बनता है और उस रिश्ते में दो लोग होते हैं तो उसे बेहतर तरीके से निभाने के लिए दोनों को एक-दूसरे की छोटी-छोटी खुशियों, जरूरतों का खयाल रखना होता है। मसलन, अगर आपको बेड पर तौलिया यूं ही छोड़ने की आदत है या फिर आप चीजों को इधर-उधर रख देते हैं लेकिन आपके पार्टनर को यह पसंद नहीं है। साथ ही इससे उन्हें दोगुनी मेहनत भी करनी पड़ती है तो उनकी खुशी के लिए आप कम से कम अपनी चीजों को सही जगह पर रखने की कोशिश करें। आपके छोटे-छोटे कदम रिश्ते के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

### हिम्मत व समझदारी भी जरूरी

आपके पार्टनर का सिर्फ आपको प्यार करना ही काफी नहीं है, बल्कि रिश्ता जोड़ते समय आप यह भी



अवश्य देखें कि वह वास्तव में कितना समझदार है। यह तो हम सभी जानते हैं कि जिंदगी एक धूप-छांव की तरह है, जिसमें उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। ऐसे में जब भी आपको लाइफ में मुसीबतें आएंगी तो वह अपनी हिम्मत और समझदारी का परिचय देते हुए उन मुश्किलों से स्वयं को और आपको बाहर निकाल लाएगा। साथ ही यदि वह समझदार होगा तो आपको कोई भी गलत फैसला लेने से पहले ही रोक लेगा। इतना ही नहीं, वह आप दोनों के भविष्य के लिए बेहतर प्लानिंग भी करेगा।

### गलतियों पर भी हंसे

कभी-कभी हम अपने पार्टनर को गुस्से में कुछ ऐसा बोल देते हैं जो वास्तव में हम नहीं कहना चाहते या फिर अनजाने ही पार्टनर का दिल दुखा देते हैं। ऐसी स्थिति में भी यदि आपका पार्टनर उस बात को हंसकर टाल देता है तो समझ लीजिए कि वह आपसे वास्तव में प्यार करता है। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि आपके पार्टनर ने डिज़र प्लान किया है और आपको ऑफिस में देर तक काम करने के लिए रूकना पड़ा है तो वह आप पर गुस्सा या नाराज होने की बजाय आपकी समस्या को समझे और आपसे लड़ने की बजाय आपसे आपकी व्यस्तता के बारे में पूछे। यह एक केयरिंग व सेसेंटिव पार्टनर की निशानी है।

## विंटर में बच्चों के वार्डरोब को बनाएं स्टाइलिश

**सर्दियां अपने चरम पर पहुंच रही हैं और आए दिन ठंडी हवाएं बच्चों की सेहत को नुकसान पहुंचा रही हैं। ऐसे में उनकी देखभाल करना काफी मुश्किल होता है। यहां हम आपको बता रहे हैं कि अपने 4 साल से 10 साल तक के बच्चे को क्या पहनाएं जिससे कि वह स्टाइलिश दिखे और ठंड से भी बचे**

### स्टार्स जैसी कैप

आमतौर पर बच्चों को कैप पहनना पसंद नहीं आता और पैरेंट उनके पीछे-पीछे कैप लेकर दौड़ते रहते हैं। अगर आपको भी ऐसा करना पड़ता है तो इससे बचने के लिए अपने बच्चे के लिए उसके पसंदीदा स्टार जैसी कैप लाकर दें। आजकल फिल्म स्टार्स तमाम तरह की कलरफुल कैप लगाकर नजर आ रहे हैं। बच्चों को अगर कोई ऐक्टर-ऐक्ट्रेस पसंद है, तो उस तरह की कैप दिलाएं। इस तरह की कैप वह जरूर पहनना पसंद करेंगे।

### सॉक्स भी कलरफुल हों

बाजार में चमड़े, कपड़े और अलग-अलग मटीरियल से बने काले और सफेद जूतों के अलावा नीले, पीले, लाल रंग जैसे कई आकर्षक रंगों में शूज और सॉक्स मौजूद हैं। बच्चों की पसंद को समझकर उस तरह के शूज और सॉक्स खरीदें ताकि उनके पैरों ठंड से सुरक्षा मिल सके।

### हुड जैकेट्स

बच्चों को ढेर सारे कपड़े पहनना अच्छा नहीं लगता है। वह कम मगर स्टाइलिश कपड़े पहनना चाहते हैं। ऐसे में

बच्चों के लिए हुडेड जैकेट के ऑप्शन पर जाया जा सकता है। ये जैकेट्स जहां बच्चों को अपने कूल लुक की वजह से खूब भाती हैं, तो वहीं ये उन्हें स्टाइलिश लुक भी देती हैं। हुडेड जैकेट्स का एक फायदा यह भी है कि अगर बच्चों को गर्मी लग रही है, तो वह इसकी चेन खोल सकते हैं और ठंड ज्यादा है तो इसकी कैप उड़ से बचाने में साथ देती हैं।

### पसंदीदा कार्टून की ले हेल्व

अगर बच्चा स्टाइलिश कपड़े भी नहीं पहन रहा है, तो उसके लिए कार्टून कैरेक्टर वाले कपड़े लाएं। बच्चों को अक्सर रंग-बिरंगे और कार्टून वाले कपड़े पसंद आते हैं। मार्केट में आजकल इस तरह के कई कपड़े उपलब्ध हैं। अच्छा रहेगा अगर उनके फेवरिट कार्टून कैरेक्टर वाले कपड़े लाएं। फिर तो वह खुद आपसे ज़िद करके यह कपड़े पहनेंगे।

### जॉस लुक होता है उन्हें पसंद

जॉस का कपड़ा थोड़ा सा मोटा होता है जिस वजह से वह ठंड से बच्चों का बचाव करती है। इसे पहनकर बच्चे स्टाइलिश भी फील करते हैं और इसलिए इस कपड़े को पहनकर उन्हें किसी तरह की दिक्कत नहीं होती है। इसके साथ अगर बच्चों को आप गर्म जूते और लेदर की जैकेट पहना देंगी, तो बच्चे लगेंगे सबसे स्मार्ट।

### यह यूनिसेक्सुअल है

लैगिंग्स को आमतौर पर लड़कियों का कपड़ा माना जाता है। मगर ठंड में लड़के और लड़कियों दोनों के लिए लैगिंग्स मिलते हैं। यह लैगिंग्स काफी गरम, आरामदायक और फ्लेक्सिबल होते हैं। यह बच्चों के पैरों को गर्म रखते हैं और बच्चे बीमारी से दूर रहते हैं।



















# नेपाल निर्वाचन आयोग नेआचार संहिता-2082 में नए प्रावधान जोड़े , आय-व्यय बैंकिंग प्रणाली से अनिवार्य

काठमांडू, 15 दिसंबर (एजेंसियां) ।

आगामी पांच मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा सदस्य चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग ने सार्वजनिक निर्वाचन आचार संहिता-2082 में कुछ नए प्रावधान जोड़े हैं। नए प्रावधानों के अनुसार चुनाव से जुड़ा सभी खर्च और आय बैंक अथवा वित्तीय संस्थाओं के माध्यम से ही करना होगा तथा प्रत्येक खर्च के बिल और रसीद सुरक्षित रखना अनिवार्य होगा। आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार, चुनावी खर्च के स्रोत में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह व्यवस्था की गई है।

आचार संहिता के निर्वाचन खर्च संबंधी आचरण शीर्षक के अंतर्गत राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करते समय चुनाव में होने वाले अनुमानित खर्च और उसके स्रोत का विवरण भी प्रस्तुत करना होगा। उम्मीदवारों को चुनावी खर्च के लिए बैंक या वित्तीय संस्था में अलग खाता खोलकर उसी खाते से खर्च करना अनिवार्य होगा। साथ ही, खर्च करने के लिए उम्मीदवार की ओर से एक जिम्मेदार पदाधिकारी नियुक्त करना होगा। उस पदाधिकारी का नाम-पता सहित विवरण संबंधित निर्वाचन अधिकारी और निर्वाचन

कार्यालय को सूचित करना भी जरूरी होगा।

प्रस्तावित आचार संहिता में यह भी उल्लेख है कि राजनीतिक दलों को चुनाव संबंधी खर्च के लिए अलग बैंक खाता खोलकर दल द्वारा नियुक्त जिम्मेदार पदाधिकारी के माध्यम से ही खर्च करना होगा। इसी तरह, 25 हजार रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता बैंक या वित्तीय संस्था के माध्यम से ही स्वीकार करनी होगी। किसी व्यक्ति या संस्था से स्वैच्छिक सहयोग के रूप में नकद राशि प्राप्त होने पर रसीद या भरपाई जारी कर उसे बैंक या वित्तीय संस्था में जमा कराना अनिवार्य होगा। आय-व्यय

का पूरा विवरण तथा संबंधित बिल-भरपाई भी सुरक्षित रखनी होगी। आयोग द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार आय और खर्च का विवरण जिला निर्वाचन कार्यालय या आयोग में प्रस्तुत करना होगा। यदि आयोग खर्च के बिल-भरपाई या बैंक खातों का विवरण प्रस्तुत करने का आदेश देता है, तो सभी मूल दस्तावेज जमा करना अनिवार्य होगा। इसके अतिरिक्त, निर्वाचन समाप्त होने के बाद निर्वाचन खर्च का विवरण सार्वजनिक कर प्रचलित चुनावी कानून में निर्धारित अवधि के भीतर आयोग या निर्वाचन कार्यालय में प्रस्तुत करना होगा।

## न्यूज़ ब्रीफ

**कंबोडिया के साथ युद्ध : थाईलैंड ने दक्षिण-पूर्वी त्रात प्रांत में कर्फ्यू लगाया**



**बैंकाक।** कंबोडिया के साथ लड़ाई एक विवादित सीमा क्षेत्र के तटीय इलाकों तक फैलने के बाद थाईलैंड ने अपने दक्षिण-पूर्वी त्रात प्रांत में कर्फ्यू लगा दिया। यह घटना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के दो दिन बाद हुई, जिसमें उन्होंने कहा था कि दोनों पक्ष लड़ाई रोकने पर सहमत हो गए हैं। रक्षा मंत्रालय ने रविवार सुबह वर्तमान स्थिति पर अपडेट दिया। बैंकाक पोस्ट ने रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रियर एडमिरल सुरसंत कोमसिरी के हवाले से कहा कि थाईलैंड ने अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत ही जवाबी कार्रवाई की। कंबोडिया ने पूर्वी थाईलैंड के त्रात प्रांत में ड्रोन भेजे और सुबह 4.15 बजे उत्तर-पूर्वी प्रांत सी सा कट में रॉकेट और गोले दागे। सुबह 5.15 बजे कंबोडिया ने थाईलैंड के उत्तर-पूर्व और पूर्व की पूरी सीमा पर फिर से हमले शुरू कर दिए। आरएडीएम सुरसंत ने आरोप लगाया कि कंबोडिया युद्धविराम को तबजो नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा, 'कंबोडिया ने जैसा दावा किया था, वैसा सीजफायर नहीं किया है,' उन्होंने उस रिपोर्ट का जिक्र करते हुए यह बात कही जिसमें कहा गया था कि कंबोडिया ने मलेेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के एक प्रस्ताव पर सहमति जताई थी, जो एसोसिएशन ऑफ साउथईस्ट एशियन नेशंस के चेयरमैन हैं।

**बांग्लादेश में चुनाव की घोषणा के बाद से हिंसक घटनाएं बढ़ीं, चुनाव आयोग दफतर फूटा**



**ढाका।** बांग्लादेश में शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद देश में पहली बार चुनाव होने वाला है, आम चुनाव का शेड्यूल जारी हो चुका है और चुनावी माहौल बनते ही बांग्लादेश में बवाल शुरू हो गए हैं। हाल ही में निर्दलीय प्रत्याशी उस्मान हादी के सिर में गोली मारने की घटना सामने आई थी। इसके बाद अब खबर आ रही है कि चुनाव आयोग का दफतर आग के हवाले कर दिया गया है। चुनाव के ऐलान होने के बाद से अलग-अलग हिस्सों में हिंसा की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। चुनावी हिंसा के ताजा मामले में लक्ष्मीपुर में चुनाव आयोग के दफतर को आग के हवाले कर लिया गया है। मीडिया के मुताबिक शनिवार को लक्ष्मीपुर शहर में स्थित जिला चुनाव ऑफिस में बदमाशों ने आग लगा दी। जिला चुनाव अधिकारी मोहम्मद अब्दुर रशीद ने बताया कि बदमाशों ने रात करीब 3:30 बजे ऑफिस की खिड़कियों से पेट्रोल डालकर आग लगा दी और वहां से भाग गए। हालांकि, ऑफिस के सुरक्षा गार्ड ने स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझा दी। चुनाव अधिकारी रशीद ने कहा कि आग में कुछ दस्तावेज जल गए और इस बारे में कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, सूचना मिलने पर डिप्टी कमिश्नर, पुलिस और चुनाव अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। बता दें बांग्लादेश में अराजकता की स्थिति बनी हुई है। एक दिन पहले दिन दहाड़े निर्दलीय उम्मीदवार हादी को गोली मारकर घायल कर दिया था।

**इजराइल का दावा- हम्रास के नंबर-2 चीफ राएद को मारा, गाजा में कार को निशाना बनाकर हमला किया**



**गाजा।** गाजा सिटी में इजराइली हमले में हम्रास के सेकेंड-इन-कमांड राएद सईद की मौत हो गई है। इजराइली सेना ने शनिवार को यह दावा किया कि उसने गाजा सिटी में एक कार को निशाना बनाकर यह हमला किया। हालांकि, हम्रास ने अब तक राएद सईद की मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। राएद, हम्रास अल-कासम ब्रिगेड का प्रमुख कमांडर था। अल जजीरा की रिपोर्टर्स के अनुसार इजराइली सेना ने कहा कि सईद हम्रास के हथियार बनाने वाले नेटवर्क का प्रमुख था और अक्टूबर 2023 में इजराइल पर हुए हमलों की साजिश बनाने वालों में भी शामिल था। हम्रास के सूरजों के मुताबिक राएद गाजा सिटी बटालियन का पूर्व प्रमुख भी रहा था। इजराइल का आरोप है कि सईद सीजफायर के बावजूद हम्रास की क्षमताओं को फिर से मजबूत करने और हथियार बनाने का काम कर रहा था, जो समझौते का उल्लंघन है। यह हमला हम्रास के इजराइली सैनिकों पर हमले के बाद हुआ। इसमें दो इजराइली सैनिक घायल हो गए थे। इसके बाद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजराइल काटज़ ने सईद को निशाना बनाने का आदेश दिया था।

# एच-1बी वीजा संकट : अमेरिका में काम कर रहे भारतीय पेशेवरों की बढ़ी मुश्किलें

वाशिंगटन, 15 दिसंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका में कार्यरत सैकड़ों भारतीय पेशेवर इस समय गंभीर अनिश्चितता और मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं। अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से दिसंबर में प्रस्तावित एच-1बी वीजा अचानक स्थगित कर दिए गए हैं, जिसके कारण कई भारतीय नागरिक भारत में ही फंसे हुए हैं। नए इंटरव्यू स्लॉट अब मार्च-अप्रैल 2026 या उससे भी आगे के लिए शिफ्ट कर दिए गए हैं। इस अप्रत्याशित फैसले से इन लोगों की नौकरियों पर सीधा खतरा मंडराने लगा है और भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई है।

इस संकट के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भारतीय पेशेवरों ने मदद की गुहार लगाई है। इस संबंध में साझा की गई पोस्ट तेजी से वायरल हो गईं। पोस्ट में अमेरिका में रह रहे भारतीयों से अपील की गई है कि वे जनवरी और फरवरी के लिए उपलब्ध एच-1बी के लिए स्लॉट बुक न करें। जिन लोगों ने पहले से स्लॉट बुक कर रखे हैं, उनसे उन्हें रद्द करने का अनुरोध किया गया है, ताकि भारत में फंसे लोगों को जल्द इंटरव्यू का अवसर मिल सके और वे अपनी नौकरियों पर लौट सकें।

पोस्ट में भावुक शब्दों में लिखा गया है कि वे बेहद तनाव में हैं और उनके परिवार भी इस स्थिति से प्रभावित हो रहे हैं। उनके पास इंतजार करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। इस अपील ने प्रवासी भारतीय समुदाय के भीतर गहरी संवेदना और सहयोग की भावना को जन्म दिया है। कई लोगों ने आगे बढ़कर मदद का हाथ बढ़ाया और स्लॉट रद्द करने की पुष्टि भी की।

एक ओर अमेरिका में कुछ वर्ग एच-1बी वीजा व्यवस्था में सख्तों को स्थानीय श्रमिकों के हित में बता रहे हैं और इस कदम का समर्थन कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर भारतीय समुदाय ने आपसी एकजुटता और मानवीय संवेदनाओं की मिसाल पेश की है। ऑनलाइन चर्चाओं में सैकड़ों प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कई लोगों ने लिखा कि इस सहयोग को देखकर अच्छा लगा और यह दिखाता है कि मुश्किल समय में लोग एक-दूसरे के साथ खड़े होते हैं। कुछ उपयोगकर्ताओं ने यह भी बताया कि लंबे समय तक भारत में रुकने से उनकी नौकरी पर खतरा बढ़ गया है। कई अमेरिकी कंपनियां अमेरिका के बाहर से रिमोट काम करने की अनुमति नहीं देती। ऐसे में इंटरव्यू में देरी उनके करियर और आर्थिक



**अमेरिकी सैनिकों की हत्या का बहुत गंभीर बदला लिया जाएगा - डोनाल्ड ट्रंप**

**वाशिंगटन।** इस्लामिक स्टेट के खिलाफ ऑपरेशन का हिस्सा रहे दो अमेरिकी सैनिकों समेत तीन लोगों की मौत के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सख्त रुख अपनाया है। अमेरिकी सैनिकों की सीरिया में आतंकी हमले के दौरान जान चली गई। इसके बाद ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा है कि बहुत गंभीर बदला लिया जाएगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रथ सोशल पोस्ट में कहा कि शनिवार को हुए हमले में तीन सैनिक घायल भी हुए। उन्होंने लिखा, 'हम सीरिया में तीन अमेरिकी देशभक्तों की मौत पर दुख जताते हैं, जिनमें दो सैनिक और एक सिविलियन इंटरप्रेटर शामिल हैं। इसी तरह, हम तीन घायल सैनिकों के लिए प्रार्थना करते हैं, जिनके बारे में अभी पुष्टि हुई है कि वे ठीक हैं। यह अमेरिका और सीरिया पर आईएसआईएस का हमला था। यह सीरिया के एक बहुत खतरनाक हिस्से में हुआ, जो पूरी तरह से उनकी सरकार के कंट्रोल में नहीं है। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा इस हमले से बहुत गुस्से में और परेशान हैं। इसका बहुत गंभीर बदला लिया जाएगा।' दरअसल, आतंकी संगठनों और गृह युद्ध से ग्रस्त इस अशांत क्षेत्र में अमेरिकी कर्मियों पर हमला पिछले साल दिसंबर में बशर अल-असद के सत्ता से बेदखल होने के बाद सरकार में आई अहमद अल-शरा के साथ अमेरिकी सहयोग के लिए कड़ी चुनौती है। यह सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शरा की सरकार के लिए भी एक परीक्षा है, क्योंकि एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, कथित हमलावर दमिश्क सरकार की सेनाओं का सदस्य था। ट्रंप ने भी स्वीकार किया कि यह क्षेत्र पूरी तरह दमिश्क के नियंत्रण में नहीं है। सीरियाई सरकारी समाचार एजेंसी सना के अनुसार, सरकारी प्रवक्ता ने यह भी कहा कि अमेरिका ने पलमायरा में खतरे की चेतावनियों पर ध्यान नहीं दिया, जहां यह हमला हुआ।

स्थिरता को प्रभावित कर सकती है। सोमवार सुबह तक इस अपील से जुड़ी पोस्ट पर 1,300 से अधिक समर्थन प्रतिक्रियाएं और 462 से ज्यादा टिप्पणियां दर्ज की जा चुकी थीं। यह मामला सिर्फ एक वीजा संकट तक

सीमित नहीं है, बल्कि यह उस सामूहिक एकजुटता और इंसाइनियत की तस्वीर भी पेश करता है, जो कठिन परिस्थितियों में प्रवासी भारतीय समुदाय को एक-दूसरे के और करीब ले आती है।

# सिडनी हमला : आतंकियों का सामने आया पाक कनेक्शन, जांच में हुए कई बड़े खुलासे

सिडनी, 15 दिसंबर (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य में स्थित सिडनी के प्रसिद्ध बॉडी बीच पर हुए भीषण हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। इस हमले में 16 लोगों की जान चली गई। जांच में सामने आया है कि हमला करने वाले दो मुख्य आरोपी बाप-बेटे थे। उनकी पहचान साजिद अकरम (50 वर्ष) और नवीद अकरम (24 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों ने भीड़ को निशाना बनाते हुए हथियारों से हमला किया। सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में साजिद अकरम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नवीद अकरम गंभीर रूप से घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती है। जांच एजेंसियों के अनुसार, इस हमले में एक तीसरा व्यक्ति भी शामिल था, जिसकी तलाश जारी है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक साजिद अकरम सिडनी में फलों की एक दुकान चलाता था। हमले से पहले दोनों ने अपने परिवार को बताया था कि वे वीकएंड में मछली पकड़ने की यात्रा पर जा रहे हैं, लेकिन इसके बाद यह खौफनाक वारदात सामने आई। यह हमला यहूदियों के पर्व हनुक्का के दौरान आयोजित एक समारोह के समय किया गया, जिसके चलते इसे आधिकारिक तौर पर आतंकी हमला घोषित किया गया है। दोनों आरोपी पाकिस्तानी नागरिक बताए जा रहे हैं।



घटना के बाद सिडनी के पश्चिमी उपनगर बॉनीरिंग स्थित उनके घर पर छपा मारा गया और कई अहम सुराग जुटाए गए। नवीद अकरम को मां ने सार्वजनिक रूप से कहा कि उनका बेटा एक शांत स्वभाव का ईमान था, जो तो नशा करता था और न ही किसी गलत संगत में था। उनके अनुसार नवीद घर के कार्यों में मदद करता था और रोजमर्रा की जिंदगी बेहद सामान्य थी जांच में यह भी सामने आया है कि नवीद ने ऑस्ट्रेलिया के एक इस्लामिक केंद्र में शिक्षा प्राप्त की थी। अब यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या वह

किसी कट्टरपंथी नेटवर्क के संपर्क में था। फिलहाल किसी विदेशी साजिश की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह जांच की जा रही है कि कहीं इन दोनों का संबंध किसी प्रतिबंधित आतंकी संगठन से तो नहीं था।

**ईरान कनेक्शन की भी जांच -** जांच एजेंसियों की नजर ईरान की भूमिका पर भी है, क्योंकि हमला यहूदी त्योहार के दौरान किया गया है। हाल के समय में इजरायल और यहूदी समुदाय के खिलाफ बढ़ती हिंसक गतिविधियों के संदर्भ में इस एंगल को गंभीरता से खंगाला जा रहा है।

# पाकिस्तान से आई सुखद खबर, अब मुस्लिम छात्रों ने दिखाई संस्कृत में दिलचस्पी

इस्लामाबाद, 15 दिसंबर (एजेंसियां) ।

**भारत और पाकिस्तान के बीच भले ही राजनीतिक तनाव ले, लेकिन साझा विरासत की एक नई और सुखद तस्वीर सामने आई है। 1947 के बंटवारे के बाद पहली बार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की दो यूनिवर्सिटीज ने संस्कृत भाषा में शॉर्ट कोर्स शुरू किया है। इतना ही नहीं, भविष्य में वहां के छात्रों को हिंदू धर्मग्रंथ 'गीता' और 'महाभारत' पढ़ाने की भी योजना है। यह पहल लाहौर की सरकारी 'पंजाब यूनिवर्सिटी' और निजी संस्थान 'लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज' ने की है। दोनों संस्थानों ने इस शास्त्रीय भाषा का कोर्स लॉन्च किया है।**



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक साझा विरासत और पुरानी पांडुलिपियां इस कोर्स को शुरू करने

के पीछे मुख्य वजह 'साझा विरासत' को सहेजना और पंजाब यूनिवर्सिटी में मौजूद संस्कृत की

**बंटवारे के बाद पहली बार पंजाब प्रांत की दो यूनिवर्सिटीज ने पढ़ाई जाएगी संस्कृत**

पुरानी पांडुलिपियों को पढ़ना है। पंजाब यूनिवर्सिटी के हिंदी विभाग के प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि तैयारियां पिछले साल शुरू हुई थीं, लेकिन पहला एडमिशन 2025 में हुआ। सबसे पहले एल्यूमएफएस ने बेसिक लेवल-1 और 2 शुरू किया, जिसके बाद पंजाब यूनिवर्सिटी ने भी इसे अपनाया।

प्रोफेसर कुमार ने बताया कि 1947 के विभाजन के बाद, यहां शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति बचा था जो इस शास्त्रीय भाषा को पढ़ा सके। उन्होंने बताया कि पंजाब यूनिवर्सिटी को लाइब्रेरी में संस्कृत के अभिलेखागार का एक समृद्ध खजाना है, लेकिन उसका अध्ययन सबसे कम

हुआ है। अब तक कोई भी स्थानीय व्यक्ति इसका उपयोग नहीं कर रहा था। संस्कृत सीखकर छात्र इस क्षेत्र के प्राचीन इतिहास को नई नजर से देख पाएंगे। उन्होंने बताया कि यह कोर्स अभी भाषा की बेसिक जानकारी देता है। संस्कृत पर पकड़ बनाने के लिए एक छात्र को सात स्तर पूरे करने होंगे, जिसमें कम से कम तीन साल लगेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में यूनिवर्सिटी तीन साल का फुल-फ्लेज्ड कोर्स शुरू कर सकती है। अगर ऐसा होता है, तो तीन साल के कोर्स के बाद छात्र मूल 'गीता' और 'महाभारत' पढ़ने और समझने में सक्षम हो जाएंगे।

फिलहाल पंजाब यूनिवर्सिटी में 3 और एल्यूमएफएस में करीब आठ छात्र संस्कृत कोर्स में एनरोल हुए हैं। सबसे खास बात यह है कि संस्कृत सीखने के लिए दाखिला लेने वाले ज्यादातर छात्र मुस्लिम हैं, जो इस भाषा को सीखने में गहरी रूचि दिखा रहे हैं। यह पहल अकादमिक जगत में एक नई शुरुआत मानी जा रही है।





## न्यूज़ ब्रीफ

दस खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए डेंटमुंड की जीत फिसली, फ्राइबर्ग से 1-1 की बराबरी



फ्राइबर्ग। बुडेसलीगा में बोरुसिया डेंटमुंड रविवार को फ्राइबर्ग के खिलाफ 1-1 की बराबरी पर रुक गया। दूसरे हाफ की शुरुआत में जोबे बेलिंगहेम के रेड कार्ड के बाद डेंटमुंड को भारी नुकसान उठाना पड़ा और टीम 75वें मिनट में गोल खाकर बढ़त गंवा बैठी। इस झें के साथ डेंटमुंड दूसरे स्थान पर पहुंचने का मौका चूक गया। मैच के पहले हाफ में डेंटमुंड पूरी तरह हावी रहा। टीम ने कई सुनहरे मौकें गंवाए और 21वें मिनट में कमील चुकुएमेका का शॉट पोस्ट से टकराया। आखिरकार 31वें मिनट में रामी बेन्सेबेनी ने नजदीक से गोल कर डेंटमुंड को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, 53वें मिनट में मैच का रुख बदल गया, जब जोबे बेलिंगहेम को फिलिप टूर पर आखिरी खिलाड़ी के तौर पर फाउल करने के चलते रेड कार्ड दिखाया गया। यह फाउल गोलकीपर ग्रेगर कोबेल की एक गलत पास के बाद हुआ। एक खिलाड़ी ज्यादा होने का फायदा उठाते हुए फ्राइबर्ग ने दबाव बढ़ाया। 64वें मिनट में टू का कॉर्लिंग शॉट बाहर चला गया, जबकि 73वें मिनट में कोबेल ने युइतो सुजुकी के शॉट को बार पर टिप कर दिया। लेकिन 75वें मिनट में लुकास होलर ने शानदार नियंत्रण के बाद वॉली मार्कर गेंद को टॉप कॉर्नर में डालते हुए स्कोर 1-1 कर दिया।

## यूएस किड्स गोल्फ इंडियन चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा मानेसर

नई दिल्ली। देशभर में जुनियर गोल्फ को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यूएस. किड्स गोल्फ इंडियन

चैंपियनशिप 2025 का आयोजन 17 से 19 दिसंबर तक मानेसर स्थित क्लासिक गोल्फ एंड क्रीड क्लब में किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित चैंपियनशिप का पांचवां संस्करण होगा। तीन दिवसीय यह टूर्नामेंट वर्ल्ड एमेच्योर गोल्फ रैंकिंग और जुनियर गोल्फ स्कोरबोर्ड से मान्यता प्राप्त है, जो वैश्विक जुनियर गोल्फ कैलेंडर पर इसकी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा और प्रतिस्पर्धीत्मक विश्वसनीयता को दर्शाता है। इस चैंपियनशिप में करीब 100 युवा गोल्फ खिलाड़ी—लड़के और लड़कियां दोनों—भाग लेने की उम्मीद है। ये खिलाड़ी भारत सहित एशिया के कई देशों का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिताएं अंडर-7 से लेकर अंडर-18 आयु वर्ग तक विभिन्न श्रेणियों में आयोजित की जाएगी। यूएस किड्स गोल्फ एशिया के अंतर्गत इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले देशों में सिंगापुर, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, उज्बेकिस्तान, दक्षिण कोरिया, ताइवान, फिलीपींस और भारत शामिल हैं, जो इस आयोजन के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय विस्तार को दर्शाता है।

## सूर्यकुमार की बल्लेबाजी की चमक कम हुई, खराब फार्म बना प्रबंधन की परेशानी



नई दिल्ली। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की बल्लेबाजी पिछले कुछ समय से अपनी चमक खोती दिख रही है। पहले जहां टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तेज गेंदबाज उनके निशाने पर रहते थे। इसी कारण उनका तुलना मिस्टर 360 डिग्री कहे जाने वाले ए बी डविलियर्स से होती थी। सूर्या मैदान में किसी भी हिस्से पर खेल कर बाउंड्री से बाहर भेज देते थे। वही पिछले एक साल से वह इसमें असाफल होते दिख रहे हैं। जिन तेज गेंदबाजों के खिलाफ वे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आसानी से बड़े शॉट लगाते थे। उन्ही तेज गेंदबाजों के खिलाफ अब रन बनाने में असाफल हो रहे हैं। इसका अंदाजा उनके आंकड़े दे रहे हैं। इससे आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए भारतीय टीम प्रबंधन की चिन्ताएं भी बढ़ गयी हैं। सूर्यकुमार टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इस साल तेज गेंदबाजों के खिलाफ 18 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए केवल 122 रन ही बना पाए हैं। वहीं उन्होंने 18 में से 14 बार अपना विकेट तेज गेंदबाजों के खिलाफ ही खोया है। उनका बल्लेबाजी औसत 8.71 रन का रहा है। वहीं स्ट्राइक रेट 115.09 का है। पहले जहां उन्हें गेंदबाजी करने से गेंदबाज डरते थे क्योंकि वह मैदान में कहीं भी बड़े छक्के लगा देते थे। वहीं अब ऐसा नहीं है। उनके खराब फॉर्म का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने पिछले 20 पारियों में एक भी 50 रन नहीं बनाये हैं। आखिरी अर्धशतक के बाद 20 पारियों में सूर्या ने सिर्फ दो बार ही प्रभावी खेल दिखाया जब एशिया कप में उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 47 रन बनाए थे।

# वानखेड़े में पहली बार फिजिकल डिसएबिलिटी टी 20 सीरीज, 16 से 18 दिसंबर तक होंगे मुकाबले

मुंबई, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई का प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम 16 से 18 दिसंबर के बीच एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक क्रिकेट आयोजन की मेजबानी करेगा। यहां पहली बार फिजिकल डिसएबिलिटी टी-20 सीरीज का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सभी तीनों मुकाबले इसी मैदान पर खेले जाएंगे। यह आयोजन समावेशिता, साहस और खेल भावना का सशक्त संदेश देगा। तीन दिवसीय इस टी20 सीरीज का उद्देश्य शारीरिक रूप से दिव्यांग खिलाड़ियों की प्रतिभा,

मेहनत और जज्बे को मंच देना है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिजिकल डिसएबिलिटी क्रिकेट की बढ़ती पहचान के बीच वानखेड़े स्टेडियम जैसे ऐतिहासिक मैदान पर यह सीरीज एक अहम पड़ाव मानी जा रही है। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के महासचिव उमेश खानविलकर ने कहा, 'पहली बार फिजिकल डिसएबिलिटी क्रिकेट सीरीज की मेजबानी करना एमसीए के लिए गर्व का क्षण है। यह आयोजन न सिर्फ खिलाड़ियों के जज्बे का सम्मान करता है, बल्कि यह भी साबित करता है

कि क्रिकेट हर किसी का खेल है। हमारे अध्यक्ष अजिंक्य नाइक दिव्यांग क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और एमसीए भविष्य में भी हरसंभव सहयोग करता रहेगा।' डिफरेंटली एबलड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) के महासचिव रवि चौहान ने कहा, 'हमारे खिलाड़ियों के लिए यह बेहद खास मौका है। उसी वानखेड़े स्टेडियम में खेलना, जहां भारत ने 2011 विश्व कप जीता था, खिलाड़ियों के आत्मविश्वास और प्रेरणा को कई गुना बढ़ाएगा। एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक और पूरी संस्था

का हम आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने फिजिकल डिसएबिलिटी क्रिकेट को निरंतर समर्थन दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि बीसीसीआई के सहयोग से देशभर में फिजिकल डिसएबिलिटी क्रिकेट के विकास और विस्तार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सीरीज का हर मुकाबला प्रतिस्पर्धीत्मक क्रिकेट का उदाहरण होगा, जिसमें खिलाड़ियों का कौशल, टीमवर्क और दृढ़ संकल्प देखने को मिलेगा। यह आयोजन खेल को समानता और सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

# क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड खिलाड़ियों के लिए लागू करेगा कोड ऑफ कंडक्ट

देहरादून, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड (सीएयू) ने राज्य के क्रिकेट खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए एक नया और विस्तृत कोड ऑफ कंडक्ट लागू करने का फैसला लिया है। जल्द ही विस्तृत गाइडलाइंस और स्वीकृति फॉर्म जारी किया जाएगा। अपेक्स काउंसिल की सोमवार की हुई बैठक में इस कोड को मंजूरी दी गई। यह नियम आगामी क्रिकेट सत्र से सभी आयु वर्गों और स्तरों पर लागू होंगे।

सीएयू जल्द ही विस्तृत गाइडलाइंस और स्वीकृति फॉर्म जारी करेगा, जिसकी जानकारी सभी क्लबों और खिलाड़ियों तक पहुंचाई जाएगी। यह कदम उत्तराखंड क्रिकेट को अधिक पेशेवर और अनुशासित बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकता है। सीएयू के अध्यक्ष दीपक मेहरा ने कहा कि यह कोड उत्तराखंड क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम चाहते हैं कि हमारे खिलाड़ी मैदान पर बेहतरीन प्रदर्शन करें और मैदान के बाहर भी अनुशासित एवं आदर्श बनें। इन सख्त नियमों से युवा प्रतिभाएं सही दिशा में आगे बढ़ेंगी और राज्य का क्रिकेट और मजबूत होगा। सचिव किरण रौतेला वर्मा ने कहा कि अनुशासन, ईमानदारी और फिटनेस क्रिकेट के विकास की नींव हैं। यह कोड पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा और सभी खिलाड़ियों को बराबर अवसर देगा। हमें उम्मीद है कि इससे उत्तराखंड के क्रिकेटर राष्ट्रीय स्तर पर और बेहतर करेंगे और राज्य को गौरवान्वित करेंगे (बैठक में सचिव किरण रौतेला वर्मा फिजिकल, अध्यक्ष दीपक मेहरा, उपाध्यक्ष अजय पांडे, कोषाध्यक्ष मानस मेगवाल, संयुक्त सचिव नूर आलम, काउंसलर मनोज नोटियाल, सीईओ मोहित डोभाल सहित अन्य



पदाधिकारी मौजूद रहे। कोड ऑफ कंडक्ट के मुख्य प्रावधान: व्यवहार और अनुशासन: खिलाड़ियों को कोच, साथी खिलाड़ी, विरोधी टीम, अंपायर और अधिकारियों के प्रति सम्मानजनक व्यवहार रखना होगा। झगड़ा, अपशब्द, मौखिक दुर्व्यवहार या नकारात्मक बॉडी लैंग्वेज पर सख्त कार्रवाई। बेईमानी पर रोक: चोट का नाटक करना, चोट छिपाना या स्टाफ को गुमराह करना पूरी तरह प्रतिबंधित। उपस्थिति और पाबंदी: प्रैक्टिस, मीटिंग और मैचों में समय पर पहुंचना अनिवार्य। बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थिति को मिसकंडक्ट माना जाएगा, जिस पर निलंबन तक की सजा हो सकती है। ईमानदारी और फिटनेस: चोट या फिटनेस मुद्दों को सच्चाई से रिपोर्टिंग जरूरी। बीसीसीआई के फिटनेस मानकों का पालन अनिवार्य। सुविधाओं का सम्मान: किट, ग्राउंड, जिम और

उपकरणों का दुरुपयोग पर दंड। सोशल मीडिया और सार्वजनिक व्यवहार: टीम या अधिकारियों को बदनाम करने वाली पोस्ट प्रतिबंधित। आंतरिक मामलों पर नकारात्मक चर्चा नहीं मैदान पर व्यवहार:अंपायर से बहस, उपकरण फेंकना या असपोर्ट्समैनशिप पर सजा। टीम कप्तान: टीम हित को व्यक्तिगत अहंकार से ऊपर रखना। नकारात्मक गॉसिप या दोषारोपण प्रतिबंधित। उल्लंघन पर सजा: उल्लंघन की गंभीरता के आधार पर चेतावनी, जुर्माना (मैच फीस का 50%), मैच बैन या गंभीर मामलों में एक साल तक घरेलू क्रिकेट से प्रतिबंध। चोट छिपाने या बिना सूचना अनुपस्थिति पर तत्काल सत्र से हटाया जा सकता है। शिक्षायातों के लिए निर्धारित चैनल का पालन अनिवार्य होगा। मैच रेफरी 24 घंटे में सुनवाई करेंगे। सभी खिलाड़ियों को कोड की स्वीकृति पर हस्ताक्षर करना होगा।

## फुटबॉलर लियोनेल मेसी की गॉट इंडिया टूर में पीएम मोदी से नहीं होगी मुलाकात



नई दिल्ली। अर्जेंटीना के फुटबॉल सुपरस्टार लियोनेल मेसी की गोट इंडिया टूर के तहत नई दिल्ली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से होने वाली मुलाकात रद्द कर दी गई है। यह मुलाकात सोमवार को प्रस्तावित थी, जिसके लिए 21 मिनट का प्रोटोकॉल भी तैयार किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से बैठक रद्द होने का कारण उनका विदेश दौरा बताया गया है। मेसी इस समय भारत के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में उनके पहले कार्यक्रम के दौरान कुछ अख्यवस्थाएं देखने को मिली थीं, हालांकि इसके बाद हैदराबाद और मुंबई में उनका दौरा पूरी तरह सुचारु रहा। नई दिल्ली प्रवास के दौरान लियोनेल मेसी के भारतीय क्रिकेट स्टाफ विराट कोहली, कैदीय गृह मंत्री अमित शाह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्य कांत सहित कई प्रमुख हस्तियों से मुलाकात करने की संभावना है। मेसी का भारत दौरा अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित एक सम्मान समारोह के साथ संपन्न होगा। इस कार्यक्रम में वे एक कोचिंग विलनिक का आयोजन करेंगे, जिसके बाद मिर्नवा अकादमी के युवा खिलाड़ियों के साथ मुलाकात करेंगे। उल्लेखनीय है कि मिर्नवा अकादमी की टीम ने इसी वर्ष तीन यूरोपीय यूथ ट्रॉफी जीती हैं।

# एडिलेड ओवल में तीसरा एशेज टेस्ट बुधवार से, मुकाबले के लिए लियोन की वापसी तय

एडिलेड टेस्ट से पहले बोले नाथन लियोन, किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं

एडिलेड, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने आगामी तीसरे एशेज टेस्ट से पहले साफ कहा है कि उन्हें किसी को भी कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। बुधवार से एडिलेड ओवल में शुरू होने वाले इस मुकाबले के लिए लियोन की वापसी तय मानी जा रही है, जहां गर्म मौसम और सूखी पिच स्पिन गेंदबाजों के अनुकूल रहने की उम्मीद है। नाथन लियोन एक बड़े व्यक्तिगत रिकॉर्ड के भी करीब हैं। उनके नाम फिलहाल 562 टेस्ट विकेट हैं और वे महान तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा (563 विकेट) के रिकॉर्ड से सिर्फ एक विकेट पीछे हैं। 140 टेस्ट मैच खेल चुके लियोन को पिछले



तीन मैचों में से दो में प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा गया था। हालांकि, तीसरे टेस्ट में उनके खेलने की प्रबल संभावना है, जहां ऑस्ट्रेलिया 3-0 की

लियोन ने सोमवार को पत्रकारों से कहा, 'व्यक्तिगत तौर पर यह निराशाजनक था, लेकिन मैंने 140 टेस्ट खेले हैं। मुझे नहीं लगता कि मुझे किसी को कुछ साबित करना है। मुझे अपनी भूमिका साफ तौर पर पता है। मुझे इंसिंग रूप में सभी के साथ खेलना और ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करना बेहद पसंद है।' उन्होंने आगे कहा, 'आगर मुझे फिर से मौका मिलता है, तो मैं वही करता रहूंगा। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते रहना मेरा सपना है। किसी को भी चयन का स्वाधी अधिकार नहीं होता। आपको कड़ी मेहनत करनी होती है ताकि आप चयन के हकदार बन सकें।' सोमवार का दिन लियोन के लिए खास भी रहा, क्योंकि उन्हें औपचारिक रूप से एडिलेड ओवल की 'एवेन्यू ऑफ ऑनर' में शामिल किया गया। यह वही मैदान है, जहां वे कभी ग्राउंड स्टाफ के रूप में काम किया करते थे। अब सभी की नजरें एडिलेड टेस्ट पर हैं, जहां लियोन न सिर्फ टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं, बल्कि इतिहास

भी रच सकते हैं। लियोन ने टेस्ट क्रिकेट में स्पिन गेंदबाजी की अहमियत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, 'आप एक स्पिनर से पूछ रहे हैं, तो जाहिर है कि स्पिन बेहद अहम है। टेस्ट क्रिकेट पांच दिन का खेल है और पिच के टूटने के साथ स्पिनरों के लिए मौके बढ़ते हैं। जैसे ही गेंद घूमती है, टीवी पर ज्यादा नज़रें टिक जाती हैं।' उन्होंने भारत दौरे का उदाहरण देते हुए कहा कि स्पिन वाली परिस्थितियों में खेल और भी रोमांचक हो जाता है और दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ती है। 'मेरे लिए स्पिन क्रिकेट के हर प्रारूप में अहम भूमिका निभाता है—चाहे जुनियर क्रिकेट, फर्स्ट क्लास, व्हाइट-बॉल या रेड-बॉल।' इस पर लियोन ने कहा, 'मेरे इतिहास को देखते हुए यह किसी परीकथा जैसा हो सकता है। 2010-11 में मेरा पहला टेस्ट यहीं हुआ था। ग्लेन मैक्ग्रा को पीछे छोड़ना वाकई अविश्वसनीय होगा।

# मैंने बस सही लेंथ पर गेंद डाली और विकेट का फायदा उठाया : अर्शदीप सिंह

धर्मशाला, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद अपनी सफलता का श्रेय बुनियादी बातों पर टिके रहने और धर्मशाला की अनुकूल परिस्थितियों का सही इस्तेमाल करने को दिया।

एचपीसीए स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में अर्शदीप ने चार ओवर में 13 रन देकर 2 विकेट लिए और भारत की सात विकेट से जीत की मजबूत नींव रखी। उनके इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मैच के बाद अर्शदीप ने कहा, 'कुछ भी नहीं बदला। मैंने बस सही लेंथ पर गेंद डाली और विकेट से मिलने वाली मदद का पूरा फायदा उठाया। ठंडे मौसम के कारण स्विंग और सीम दोनों मिल रही थीं। मैंने चीजों को सरल रखा और उसका इनाम मिला।'

उन्होंने न्यू चंडीगढ़ में पिछले मैच के बाद वापसी को लेकर भी बात की। अर्शदीप ने कहा, 'जब मैं मैदान पर उतरा तो लोग कह रहे थे कि यह भी तुम्हारा होम ग्राउंड है, लेकिन मैंने कहा कि यह मेरा होम ग्राउंड नहीं है। इसके बाद सिर्फ बुनियादी चीजों पर भरोसा किया। इस स्तर पर खेलते हुए कभी-कभी एक दिन खराब हो सकता है, लेकिन वह अच्छा लगता है कि इस मैच में मैं बेहतर कर पाया।'

रीजा हेंड्रिक्स के खिलाफ डीआरएस लेने को लेकर अर्शदीप ने कहा कि यह फैसला सूर्यकुमार यादव का था।

उन्होंने कहा, 'पैड पर लगते ही मुझे पता था कि वह आउट है। जितेश से भी सहमति मिल गई थी। सूर्या भाई ने बस थोड़ा सर्रपेंस बनाने के लिए



ईंतजार किया।' वहीं डेबॉल्ड ब्रेविस के खिलाफ रिव्यू न लेने पर उन्होंने हंस्ते हुए कहा, 'एक गेंदबाज हर रिव्यू लेना चाहता है। मुझे लगा गेंद पैड पर दो बार लगी थी, इसलिए कन्स्यूजन हुआ। आली बार ध्यान रखूंगा।' इस मुकाबले में किरफायती गेंदबाजी करने वाले वरुण चक्रवर्ती ने 2 विकेट लेकर पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय में 50 विकेट पूरे करने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय गेंदबाज बनने का रिकॉर्ड बनाया। वरुण ने कहा कि ठंडे हालात चुनौतीपूर्ण थे, लेकिन टीम की तैयारी शानदार रही। उन्होंने कहा, 'मैंने इतनी ठंड में पहले कभी नहीं खेला। परिस्थितियां मुश्किल थीं, लेकिन हमारी तैयारी अच्छी थी।' न्यू चंडीगढ़ में हार के बाद बदलाव को लेकर वरुण ने कहा, 'हमारी एक अच्छी गेंदबाजी मीटिंग हुई, जिसमें खुलकर बातचीत हुई। हमने अपनी गलतियों को पहचाना और सही अंग्रेज पर काम किया। इसका नतीजा दिखा।

# हार्मर और शेफाली वर्मा बने नवंबर के आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने नवंबर के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड की घोषणा कर दी है। दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी स्पिनर साइमन हार्मर को पुरुष वर्ग में, जबकि भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा को महिला वर्ग में यह सम्मान दिया गया है।

## हार्मर को पहली बार मिला पुरुष वर्ग का अवॉर्ड

दक्षिण अफ्रीका को 36 वर्षीय ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने बांग्लादेश के ताड़जुल इस्लाम और पाकिस्तान के ऑनकाराउंडर मोहम्मद नवाज को पीछे छोड़ते हुए यह पुरस्कार अपने नाम किया। हार्मर को यह सम्मान भारत के खिलाफ खेले गई दो मैचों की आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज में शानदार प्रदर्शन के लिए मिला।

हार्मर ने इस सीरीज में कुल 17 विकेट झटके और दक्षिण अफ्रीका को भारत में 25 साल बाद पहली टेस्ट सीरीज जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। कोलकाता टेस्ट में उन्होंने 4/30 और 4/21 के आंकड़े दर्ज किए, जबकि गुवाहाटी टेस्ट में 3/64 और शानदार 6/37 की गेंदबाजी की। पूरी सीरीज में उनका औसत 8.94 और इकॉनमी 1.91 रही।

अवॉर्ड मिलने पर हार्मर ने कहा कि देश के लिए खेलना उनके लिए गर्व की बात है और इस उपलब्धि का श्रेय वह अपनी टीम, कोचिंग स्टाफ



और परिवार को देते हैं।

## शेफाली वर्मा को महिला वर्ग का सम्मान

भारतीय महिला टीम की ओपनर शेफाली वर्मा ने थाईलैंड की थिपाचा पुथावोंग और यूएई की एशा ओजा को पछाड़ते हुए पहली बार आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का खिताब जीता। खास बात यह रही कि शेफाली को चोटिल प्रतीका रावल के स्थान पर लेट रिप्लेसमेंट के तौर पर वर्ल्ड कप टीम में शामिल किया गया था।

महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल में शेफाली ने 78 रेंदों पर 87 रन की शानदार पारी खेली, जो महिला वर्ल्ड कप फाइनल में किसी भारतीय ओपनर का सर्वोच्च स्कोर है। उनकी इस

पारी की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 298/7 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। इसके अलावा शेफाली ने गेंदबाजी में भी अहम योगदान देते हुए सुने लूस और मरिज़ाने कैप के विकेट चटकाए। उनके इस ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें फाइनल का प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

शेफाली ने कहा कि उनका पहला वर्ल्ड कप अनुभव उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, लेकिन अंत बेहद यादगार रहा। उन्होंने इस सम्मान को टीम की ऐतिहासिक विश्व कप जीत और घरेलू दर्शकों के सामने मिली सफलता को समर्पित किया।

इस तरह नवंबर, 2025 में हार्मर और शेफाली ने अपने-अपने शानदार प्रदर्शन से आईसीसी के सर्वोच्च मासिक सम्मान पर कब्जा जमाया।





# कवच 4.0 रेल सुरक्षा प्रणाली विकसित करने नोवा और टाटा एलेक्सी ने की साझेदारी

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

नोवा कंट्रोल टेक्नोलॉजिक्स, ईस्ट्रुट्रान्सपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर की डीपटेक क्षेत्र की सहयोग कंपनी, और टाटा एलेक्सी ने मिलकर भारत की स्वदेशी स्वचालित रेल सुरक्षा प्रणाली कवच 4.0 की अगली पीढ़ी विकसित करने का निर्णय लिया है।

**कवच प्रणाली की प्रति किलोमीटर लागत लगभग 50-60 लाख रुपए**

इस साझेदारी के तहत नोवा प्राथमिक ओईएम के रूप में निरीक्षण, परीक्षण और एकीकरण की जिम्मेदारी संभालेगी, जबकि टाटा एलेक्सी हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर डिजाइन, प्रोटोटाइपिंग, सुरक्षा प्रमाणन और साइबर सुरक्षा इंजीनियरिंग का नेतृत्व करेगी।

नोवा के एक प्रमुख अधिकारी के अनुसार कवच प्रणाली की प्रति किलोमीटर लागत लगभग 50-60 लाख है। प्रारंभिक रूप से भारतीय रेलवे के लगभग 40,000 किलोमीटर नेटवर्क में इसे लागू किया जाएगा। प्रत्येक रेल इंजन के लिए, शुरुआती निवेश 70-80 लाख रुपए होगा। इसके चलते चरण-1 के लिए कुल निवेश लगभग 50,000 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। परियोजना का कार्यान्वयन अगले 6-7 वर्षों में पूरा होने की संभावना है। कंपनियां दक्षिण पूर्व एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया जैसे निर्यात बाजार को भी लक्षित कर रही हैं, जिससे

भविष्य में कारोबार में वृद्धि की संभावना है। टाटा एलेक्सी के प्रमुख ने बताया कि कवच 4.0 का डिजाइन इस तरह से किया जा रहा है कि भविष्य में कवच 5.0, जिसमें साइबर सुरक्षा और मूविंग ब्लॉक जैसी सुविधाएँ होंगी, आसानी से जोड़ी जा सके। 2013-14 में भारतीय रेलवे द्वारा सुरक्षा पर खर्च 39,463 करोड़ था, जो 2025-26 में बढ़कर लगभग 1.16 लाख करोड़ रुपए होने की संभावना है। इस परियोजना से भारतीय रेलवे के सुरक्षा नेटवर्क को आधुनिक और विश्वसनीय बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

## न्यूज़ ब्रीफ

नया स्मार्टफोन पोको सी 85 5जी भारत में लॉन्च



नई दिल्ली। पोको कंपनी ने अपना नया स्मार्टफोन पोको सी 85 5जी भारत में लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसे तीन वेरिएंट 4जीबी प्लस 128जीबी, 6जीबी प्लस 128जीबी और 8जीबी प्लस 128जीबी में पेश किया है, जिसमें वुल्वुआन रैम सपोर्ट के साथ कुल रैम 16जीबी तक बढ़ाई जा सकती है। यह फोन 6000एमएएच की बड़ी बैटरी, 6.9 इंच के डिस्प्ले और 50एमपी आई कैमरा जैसे फीचर्स के साथ आता है। कीमत की बात करें तो 4जीबी मॉडल रुपए 11,999, 6जीबी मॉडल रुपए 12,999 और 8जीबी मॉडल रुपए 14,499 में उपलब्ध होगा। फोन की बिक्री 16 दिसंबर से फ्लिपकार्ट पर शुरू होगी। पोको सी85 5जी में 6.9-इंच एचडी प्लस डिस्प्ले दिया गया है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट करता है। प्रोसेसर के रूप में इसमें मिडियाटेक डायमंसिटी 6300 चिपसेट मिलता है। इसमें एलपीडीडीआर4 एक्स रैम और यूएफएस 2.2 स्टोरेज का इस्तेमाल किया गया है। कनेक्टिविटी में 5जी, वायफाई 5, ब्ल्यूटूथ 5.4, यूएसबी टाइप-सी, जीपीएस और 3.5 एमएमकेडफोन जैक शामिल हैं। यह मिस्टिक पर्पल, स्प्रिंग ग्रीन और पाव ब्लैक रंगों में उपलब्ध होगा। फोटोग्राफी के लिए फोन में 50एमपी का मेन रियर कैमरा और 8एमपी का फ्रंट कैमरा दिया गया है। फोन की 6000एमएच बैटरी 33वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करती है। सुरक्षा के लिए इसमें साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर दिया गया है।

नया स्मार्टफोन ओप्पो ए6एल चीन में लॉन्च



नई दिल्ली। चाइनीज कंपनी ओप्पो ने अपनी ए6 सीरीज के नए स्मार्टफोन ओप्पो ए6एल को चीन में लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसे 12जीबी रैम और 256जीबी इंटरनल स्टोरेज के साथ पेश किया है, जिसकी कीमत चीन में करीब रुपए 22,900 रखी गई है। यह फोन अपनी पावरफुल 7000एमएच बैटरी, मजबूत इयूरैबिलिटी और हाई-एंड कैमरा फीचर्स की वजह से चर्चा में है। यह तीन रंगों में मैनीलिया ब्लाइट, बिगोनिया पिंक और ओशन ब्लू में उपलब्ध होगा। ओप्पो ए6एल में 6.8-इंच का ओएलईडी फ्लैट डिस्प्ले दिया गया है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट और 1600 निट्स पीक ब्राइटनेस सपोर्ट करता है। डिस्प्ले का क्रिस्टल शील्ड ग्लास से प्रोटेक्ट किया गया है। फोन में क्लार्कॉम स्नेपड्रैगन 7 जेन 3 प्रोसेसर मिलता है, जिससे यह परफॉर्मंस के मामले में काफी मजबूत बन जाता है। डिवाइस में यूएफएस 3.1 स्टोरेज और एलपीडीडीआर4एक्स रैम का संयोजन दिया गया है। डिवाइस ऐंड्रॉइड 15 आधारित कलर ओएस 15 पर चलता है और रेंटिंग के साथ आता है, यानी यह धूल और पानी से मजबूत सुरक्षा प्रदान करता है।

किआ कंपनी पेश करेगी नई 2026 सेल्टोस



नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय एसयूवी सेल्टोस के 2026 मॉडल को किआ कंपनी ग्लोबली लॉन्च करने जा रही है।

# सर्दियों के उड़ान शेड्यूल में इंडिगो आगे, एयरइंडिया समूह पीछे

**अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और सीटों की संख्या में बड़ा बदलाव, बाजार हिस्सेदारी में भी उलटफेर**

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

इस सर्दियों के उड़ान शेड्यूल (अक्टूबर से मार्च) में भारत की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन इंडिगो ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और सीटों की संख्या के मामले में एयरइंडिया समूह को पीछे छोड़ दिया है। एक वैश्विक विमानन डेटा कंपनी के आंकड़ों के अनुसार इंडिगो ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से विस्तार किया है, जबकि एयरइंडिया समूह को घरेलू और संचालन संबंधी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वैश्विक विमानन डेटा कंपनी के मुताबिक, इस सर्दियों में इंडिगो की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या 14.5 प्रतिशत बढ़कर 44,035 हो गई है।

पिछली सर्दियों में यह आंकड़ा 38,481 था। साथ ही इंडिगो ने अपनी अंतरराष्ट्रीय सीटों की संख्या 74 लाख से बढ़ाकर 86 लाख कर दी है। इसके चलते भारत से आने-जाने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 20 प्रतिशत से बढ़कर 22.1 प्रतिशत हो गई है। एयरइंडिया और एयर इंडियन एक्सप्रेस को मिलाकर बने एयरइंडिया समूह ने इस सर्दियों में अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 9 प्रतिशत से अधिक की कटौती की है। पिछले साल जहां समूह की 45,958 उड़ानें थीं, वहीं इस बार यह संख्या घटकर 41,626 रह गई है। सीटों के मामले में भी गिरावट दर्ज की गई है।

पिछले सर्दियों में 92 लाख सीटों के मुकाबले इस बार यह संख्या घटकर 83 लाख रह गई है, जिससे समूह की बाजार हिस्सेदारी 21 प्रतिशत से घटकर 21 प्रतिशत हो गई। विशेषज्ञों के अनुसार, पर्याप्त पायलटों के बिना तेजी से विस्तार और नए फ्लाइट ड्यूटी नियम



**वोक्सवैगन गोल्फ जीटीआई को सिर्फ 2 ग्राहकों ने खरीदा**

नई दिल्ली। नवंबर 2025 में वोक्सवैगन गोल्फ जीटीआई प्रीमियम स्पोर्ट्स कार को सिर्फ 2 ग्राहकों ने खरीदा। जून 2025 के बाद से इसकी बिक्री में लगातार गिरावट देखी जा रही है। इसके पीछे एक अहम वजह यह भी है कि वोक्सवैगन इंडिया इसे लिमिटेड युनिट्स में ही बेच रही है। कंपनी भारत में इसकी केवल 150 युनिट लाने की योजना पर काम कर रही थी, जिनमें से 138 युनिट जून में ही बिक चुकी थी। वोक्सवैगन गोल्फ जीटीआई की एक्स-शोरूम कीमत 53 लाख रुपये से शुरू होती है, जो इसे भारत की सबसे महंगी हैचबैक कारों में शामिल करती है। यह कार सिंगल, फुली-लोडेड वेरिएंट में उपलब्ध है और चार कलर ऑप्शन—मूनस्टोन ग्रे, ओरिक्स ब्लाइट, किंग्स रेंड मेटैलिक और ग्रेनेडिला ब्लैक मेटैलिक आती है। परफॉर्मंस की बात करें तो इसमें 2.0-लीटर टीएसआई टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 261 बीएचपी की पावर और 370 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन 7-स्पीड डीएसजी ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन से लैस है। कार सिर्फ 5.9 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ लेती है, जबकि इसकी टॉप स्पीड इलेक्ट्रॉनिक रूप से 250 किमी/घंटा तक सीमित है। डिजाइन के मोर्चे पर गोल्फ जीटीआई का स्पोर्टी अंदाज साफ झलकता है। फ्रंट में हनीकॉम्ब पैटर्न वाला बड़ा एयर डैम, एक्स-शेप फॉग लाइट्स, रेंड 'जीटीआई' बैज और 18-इंच एलॉय व्हील्स इसे खास बनाते हैं। पीछे स्मोड एलईडी टेललाइट्स, रूफ रैक और टिफन एक्सेस टिफन दिग्गज हैं। इंटीरियर में 12.9-इंच फुल-स्टैडिंग टचस्क्रीन, 7-स्पीकर साउंड सिस्टम, पैनोरमिक सनरूफ, एम्बिएंट लाइटिंग, वायरलेस चार्जिंग और लेडर-रेड स्पोर्ट्स स्टीयरिंग व्हील जैसे प्रीमियम फीचर्स मिलते हैं। बता दें कि वोक्सवैगन गोल्फ जीटीआई को दुनियाभर में एक आइकॉनिक हॉट हैचबैक के तौर पर जाना जाता है, लेकिन भारतीय बाजार में इसकी कहानी कुछ अलग ही रही।

एयरइंडिया की मुश्किलें बढ़ा रहे हैं। वहीं, नागरिक उड्डयन मंत्रालय की नीति के तहत विदेशी एयरलाइनों को व्यक्तिगत भारतीय रूट्स पर सीमित अनुमति मिलने से घरेलू एयरलाइनों को फायदा हुआ है। हालांकि, आलोचकों का कहना है कि इससे प्रतिस्पर्धा और यात्रियों के

विकल्प सीमित हो सकते हैं। इस सर्दियों में कई विदेशी एयरलाइनों ने अपनी उड़ानें घटाई हैं। वहीं, भारतीय एयरलाइन अकासा एन में सबसे तेज बढ़त दर्ज की है, हालांकि बड़े विमानों की कमी के कारण वह लंबी दूरी के रूट्स पर उड़ानें नहीं चला पा रही है।

## सेमाग्लुटाइड का पेटेंट समाप्त होते ही मधुमेह और मोटापे की दवाएं होंगी सस्ती



नई दिल्ली। मार्च 2026 में टाइप-2 मधुमेह की प्रमुख दवा सेमाग्लुटाइड का पेटेंट समाप्त होने जा रहा है। इसके बाद भारत में इसकी जेनरिक दवाओं का बाजार खुल जाएगा, जिससे दवा की कीमत में लगभग 80 प्रतिशत तक की गिरावट होने की संभावना है। इस बदलाव से मधुमेह और मोटापे के मरीजों के लिए इलाज अधिक सस्ता और सुलभ हो जाएगा। जीएलपी-1 दवाओं का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। फार्माटैक के एक अधिकारी के अनुसार शुरुआती उच्च कीमतों के कारण यह बाजार 1,000 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया था। लेकिन पेटेंट खत्म होने के बाद कीमतें घटेंगी, जिससे कंपनियों की आमदनी पर असर और बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज होगी। डॉ. रेड्डीज, सिप्ला, मैनकाइड फार्मा और सन फार्मा जैसी कंपनियां पहले से ही सेमाग्लुटाइड के जेनरिक संस्करण के लिए तैयारी कर रही हैं। देश में चिकित्सा सेवाओं के विस्तार से मरीजों की संख्या बढ़ेगी, लेकिन जीएलपी-1 दवाओं के साइड इफेक्ट जैसे मतली, उल्टी, दस्त, कब्ज और कुछ मामलों में बालों का झड़ना भी बढ़ सकते हैं। डॉक्टरों के अनुसार, अधिक मरीजों को दवा देने से उपचार बीच में छोड़ने की दर यानी ड्रॉपआउट बढ़ सकती है। शुरुआती मांग में उछाल कुछ महीनों में स्थिर हो सकता है। हालांकि, दवा की सस्ती कीमत से उपभोक्ता आधार बढ़ेगा लेकिन कंपनियों को नई प्रतिस्पर्धा और बदलते खपत पैटर्न का सामना करना पड़ेगा।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

## मोदी तीन...

आदिस अबाबा में वह प्रधानमंत्री डॉ. अबी अहमद अली से बातचीत करेंगे और वहां के भारतीय प्रवासियों से मिलेंगे। श्री मोदी इथियोपिया की संसद के संयुक्त सत्र को भी संबोधित करेंगे। यात्रा के अंतिम चरण में श्री मोदी ओमान जाएंगे। उनकी यह यात्रा दोनों देशों के राजनीतिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष पूरे होने का प्रतीक होगी। वह ओमान के सुल्तान के साथ रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा करेंगे। वह ओमान में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित करेंगे।

## पीएम मोदी का जॉर्डन ...

होंगे। वहीं, दीपक नाम के भारतीय ने पीएम मोदी से मुलाकात के बाद कहा, पीएम मोदी महज 30 सेकंड के लिए हमारे सामने थे, और यही 30 सेकंड जिंदगीभर के लिए यादगार बन गए। सोने के कारोबार में सक्रिय मोहन ने कहा, मैं 35 सालों से यहाँ रह रहा हूँ। इसके बाद मैंने भारतीय लोगों के लिए एक संस्था बनाई, जो सभी भारतीयों को परिवार की तरह एकजुट करती है। हम सब मिलकर सारे त्योहार मनाते हैं और एक-दूसरे की मदद करते हैं। यहाँ सुरक्षा का माहौल भी अच्छा है। गुजरात की रहने वाली कोमल चौधरी ने कहा, मैं गुजरात की रहने वाली हूँ और वहां कई बार पीएम मोदी को देखा है, लेकिन इतने करीब से उनसे मिलना मेरे लिए जीवन का एक यादगार अनुभव है। भावनाओं को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। यह मेरे जीवन का सपना था कि मैं उनसे मिल पाऊँ।

प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे ने जॉर्डन में बसे भारतीय समुदाय के लिए गर्व और उत्साह का माहौल पैदा कर दिया, साथ ही दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों को भी मजबूत किया।

## ghmc की...

जिसकी तुलना सियोल के चेओनग्येओअन स्ट्रीम और लंदन में टेम्स नदी से की गई थी। हालांकि, नदी कायाकल्प की आरंभ में, मूसी नदी के किनारे स्थित कई गरीब परिवारों के घरों को कई इलाकों में ध्वस्त कर दिया गया। इस कदम ने कई लोगों को बेघर कर दिया और राजनीतिक प्रतिक्रिया को जन्म दिया। इसी तरह, पिछली सरकार द्वारा स्थापित प्रवर्तन, सतर्कता और आपदा प्रबंधन (ईवीडीएम) विंग का उद्देश्य अतिक्रमण हटाना था, साथ ही बाढ़ और कोविड-19 महामारी जैसी आपदाओं के दौरान निवासियों की सहायता करना भी था। जून 2024 में इसका नाम बदलकर हैदराबाद डिजास्टर रिसॉन्स एंड एसेट्स मॉनिटरिंग प्रोटेक्शन (HYDRA) करने के बाद, कांग्रेस सरकार ने इस नए निकाय को झील के अतिक्रमण हटाने और सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा का काम सौंपा। इसके विपरीत, हाइड्रा द्वारा किए गए विध्वंसों ने कई परिवारों को बेघर कर दिया है और शहर में रियल एस्टेट की भावना को भी ठेस पहुंचाई है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि हाइड्रा पर गरीब और मध्यम आय वर्ग के घरों को निशाना बनाने और ऊँचे तबके को बचाने का आरोप लगने के कारण आलोचना का सामना करना पड़ा। एआईएमआईएम विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी द्वारा संचालित फातिमा ओवैसी एजुकेशनल कैम्पस को संभालने सहित इसके कथित चयनात्मक दृष्टिकोण

ने विभिन्न वर्गों से तीखी प्रतिक्रियाएँ आकर्षित की। हैदराबाद की मजबूत सड़क बुनियादी ढाँचे, केबल पुलों और बढ़ती स्काईलाइन वाले शहर के रूप में छवि ने कभी राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया था। हालांकि, पिछले दो वर्षों में, शहर मूसी नदी के किनारे विध्वंस, हाइड्रा की कार्यवाहियों और बिगड़ती सड़क की स्थितियों के लिए बार-बार सुर्खियों में रहा है। चिंताओं को बढ़ाते हुए, राज्य सरकार ने हाल ही में 27 शहरी स्थानीय निकायों को जीएचएमसी के साथ विलय करने का आदेश जारी किया। इस कदम को कई हितधारकों ने पसंद नहीं किया है और इसने सरकार की राजनीतिक मंशा के बारे में अटकलों को हवा दी है।

## लश्कर का...

एजेंसी ने बताया कि करीब 8 महीने तक चली गहन और वैज्ञानिक जांच में यह स्पष्ट हो गया कि इस हमले की साजिश पूरी तरह पाकिस्तान में रची गई थी। इस केस में स्थानीय आरोपियों परचेज अहमद और बशीर अहमद जोयद को भी चार्जशीट किया गया है। दोनों को 22 जून 2025 को आतंकियों को पनाह देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पृष्ठभूमि में उन्होंने हमले में शामिल तीन सशस्त्र आतंकियों की पहचान की और पुष्टि की कि वे पाकिस्तानी नागरिक थे और प्रतिबंधित एलईटी संगठन से जुड़े थे। एनआईए ने स्पष्ट किया है कि मामले की आगे की जांच अभी जारी है।

## आंध्र प्रदेश में ...

होती है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) शासित आंध्र प्रदेश पेट्रोल पर

## इंस्टा मीट-2025 का शानदार आयोजन



हैदराबाद, 15 दिसंबर। हैदराबाद इंस्टा मीट-2025 एक शानदार सफलता साबित हुआ। शहर में सातवीं बार आयोजित इस कार्यक्रम को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। इसने प्रभावशाली व्यक्तियों (इंफ्लुएंसर), सामग्री निर्माताओं (कंटेंट क्रिएटर्स) और विचारकों (थॉट लीडर्स) को एक ही मंच पर एक साथ ला दिया। तेलंगाना पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य विभाग के विशेष मुख्य सचिव, श्री स्वयंसाची घोष, आईएएस, ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

इस कार्यक्रम का नेतृत्व प्रसिद्ध फूड ब्लॉगगर और इंफ्लुएंसर मोहम्मद जुबैर अली ने किया, जो अपने लोकप्रिय इंस्टाग्राम पेज, हैदराबाद फूड डायरीज़ के लिए जाने जाते हैं। यह कार्यक्रम क्रेक एरेंजा में बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। फूड, लाइफस्टाइल, फैशन, यात्रा और प्रौद्योगिकी जैसे विविध क्षेत्रों के लगभग 150 शीर्ष इंफ्लुएंसरों ने इस मीट में भाग लिया। उपस्थित लोगों ने शुरू से अंत तक इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया।

जुबैर अली ने बताया कि यह इंस्टा मीट का सातवाँ संस्करण था। उन्होंने हाल ही में हैदराबाद में खुल रहे रेस्तरां, पब और लाउंज की संख्या में हुई वृद्धि पर प्रकाश डाला। उन्होंने ऐसे व्यवसायों के लिए प्रमोशन और मार्केटिंग के महत्व पर जोर दिया, जिसमें काम गया कि यह सिर्फ एक या दो लोगों द्वारा हासिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि इसके बजाय, सामूहिक प्रयास प्रचार को बहुत आसान बनाते हैं।

## सराफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

घरेलू सराफा बाजार में मामूली गिरावट नजर आ रही है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,33,900 रुपये से लेकर 1,34,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,22,740 रुपये से लेकर 1,22,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में 1,97,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,34,060 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,22,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,33,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,22,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,33,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,22,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में



24 कैरेट सोना 1,33,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,22,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,33,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,22,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,33,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,22,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,34,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,22,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,33,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। 1,34,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,22,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रति लीटर 29.06 रुपये का सबसे ज्यादा वैट लगाता है जबकि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में यह सिर्फ 0.82 रुपये प्रति लीटर है। यह वैट केंद्र सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूट के तौर पर लगाए जाने वाले 21.90 रुपये प्रति लीटर के अतिरिक्त होता है।

इसी तरह, आंध्र प्रदेश में डीजल की कीमत 21.56 रुपये प्रति लीटर वैट को मिलाकर 97.57 रुपये प्रति लीटर है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में ईंधन की दर 78.05 रुपये प्रति लीटर है, क्योंकि वहां वैट सबसे कम 0.77 रुपये प्रति लीटर है। आंध्र प्रदेश के बाद केरल में पेट्रोल 107.48 रुपये प्रति लीटर है। इसके बाद काग्रेस शासित तेलंगाना में पेट्रोल की कीमत 107.46 रुपये प्रति लीटर है। कई भाजपा शासित राज्यों में भी पेट्रोल की कीमतें ज्यादा हैं। इसमें मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 106.52 रुपये प्रति लीटर, पटना में 105.23 रुपये (जहां भाजपा और जनता दल यूनाइटेड गठबंधन में सरकार चला रहे हैं), राजस्थान के जयपुर में 104.72 रुपये और मुंबई में 103.54 रुपये प्रति लीटर हैं। तुंगभूल कांग्रेस शासित बंगाल की राजधानी कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 105.41 रुपये प्रति लीटर है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये प्रति लीटर है, क्योंकि इस पर 15.40 रुपये प्रति लीटर वैट है। दूसरे राज्य जहां पेट्रोल की कीमतें 100 रुपये प्रति लीटर से ज्यादा हैं, उनमें ओडिशा (भुवनेश्वर में 101.11 रुपये प्रति लीटर), कर्नाटक (बेंगलूरु में 102.92 रुपये), तमिऴनाडु (चेन्नई में 100.80 रुपये) और जम्मू-कश्मीर (श्रीनगर में 100.71 रुपये) शामिल हैं।



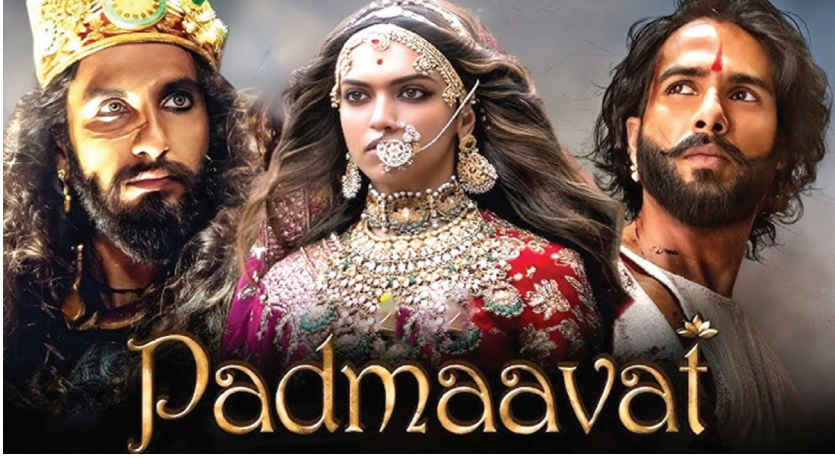




# सिंहावलोकन 2025 : नए साल में पुरानी फिल्मों का दबदबा, 2016 की फ्लॉप फिल्म रही सुपरहिट

**सा**ल 2025 बॉलीवुड और भारतीय सिनेमा के लिए शानदार रहा। नई फिल्मों अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन पुरानी क्लासिक्स और कल्ट फिल्मों की री-रिलीज ने सिनेमाघरों को गुलजार रखा। दर्शकों का पुरानी फिल्मों से भावनात्मक लगाव इतना गहरा निकला कि कई ऐसी फिल्मों, जो पहली रिलीज पर फ्लॉप हो गई थीं, इस बार सुपरहिट रहीं। नॉस्टैल्जिया वेव की सफलता बताती है कि दर्शक बड़े पर्दे पर यादें फिर से जीना चाहते हैं। सनम तेरी कसम :- साल की सबसे बड़ी सफलता रही हर्षवर्धन राणे और मावरा होकाणे की 'सनम तेरी कसम'। साल 2016 में रिलीज हुई यह ट्रैजिक रोमांटिक ड्रामा उस समय फ्लॉप हो गई थी। बॉक्स ऑफिस पर महज 9 करोड़ के आसपास कमाकर दम तोड़ने वाली फिल्म इस साल वैलेंटाइन वीक में री-रिलीज हुई और कमाल दिखाया। ओपनिंग डे पर 4.50 करोड़ की कमाई और टोटल कलेक्शन 40 करोड़ के पार पहुंची। अधूरी प्रेम कहानी, इमोशनल सीन्स और ट्रैजिक लव स्टोरी दर्शकों को थिएटर खींच लाई।

**ये जवानी है दीवानी:-** नए साल की शुरुआत में 3 जनवरी को रणबीर कपूर-दीपिका पादुकोण की 'ये जवानी है दीवानी' थिएटर में फिर से लौटी। दोस्ती, प्यार, ट्रैवल और सपनों की यह रोम-कॉम मूवी दर्शकों को खूब पसंद आई। री-रिलीज में 20 करोड़ से ज्यादा की कमाई की।



खास बात है कि फिल्म की कहानी के साथ ही 'बदतमीज दिल' और 'कबीरा' जैसे गाने भी दर्शकों को उतने ही फ्रेश लगे, जितनी कहानी।

**अंदाज अपना अपना :-** कल्ट कॉमेडी 'अंदाज अपना अपना' एक बार फिर से दर्शकों को हंसाने के लिए थिएटर में उतरी। आमिर खान-सलमान खान स्टारर साल 1994 की यह फिल्म पहली बार फ्लॉप थी। 4के वर्जन में री-रिलीज हुई तो दर्शकों का खासा प्यार मिला।

**नमस्ते लंदन:-** होली के मौके पर इस साल विपुल अमृतलाल शाह निर्देशित 'नमस्ते लंदन' भी फिर से रिलीज हुई। अक्षय कुमार, कैटरिना कैफ, ऋषि कपूर, क्लाइव स्टैंडन और जावेद शेख स्टारर यह फिल्म भारतीय कल्टर, परिवार

और प्यार की यादें ताजा कर गई। एनआरआई दर्शकों ने भी फिल्म को खूब पसंद किया।

**रंगीला :-** इस साल रिलीज हुई फिल्मों की लिस्ट में उर्मिला मातोंडकर, जैकी श्राफ और आमिर खान स्टारर रंगीला का भी नाम शामिल है। 28 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिला।

**शोले :-** होमैन धर्मेन्द्र के निधन (24 नवंबर) के बाद उनकी सबसे आइकॉनिक फिल्म 'शोले' सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हुई। 12 दिसंबर को रिलीज हुई 'शोले: द फाइनल कट' 4के रिस्टोर्ड वर्जन में आई। दर्शकों ने खचाखच भरे थिएटरों में फिल्म देखी। वीरू बनकर धर्मेन्द्र की जोड़ी जय (अमिताभ बच्चन) के साथ अमर हो

गई। 1 हजार से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज यह फिल्म धर्मेन्द्र के लिए ट्रिब्यूट थी।

इन फिल्मों के अलावा, 'धूमर', रजनीकांत स्टारर 'पदयप्पा' की सुपरस्टारडम, रेखा की 'उमराव जान' की क्लासिक अदाकारी, 'धड़कन' की इमोशनल लव ट्रायंगल, 'जो जीता वही सिकंदर' की युथ एनर्जी, और 'बाहुबली' की एपिक स्केल ने दर्शकों को बांधे रखा। आयुष्मान खुराना-यामी गौतम की 'विक्री डोनर' ने स्पर्म डोनेशन जैसे टैबू पर हंसाया-रूलाया।

राधिका आप्टे की 'हंटर', आलिया भट्ट-रणदीप हुड्डा की 'हाईवे' की खास जर्नी, संजय लीला भंसाली की 'पद्मावत', करिश्मा-सलमान की 'बीवी नंबर-1' ने भी अच्छी भीड़ खींची। वहीं, रोमांस लवर्स के लिए 'कहो ना प्यार है' ने क्रांतिक की डेब्यू मैजिक याद दिलाई, 'कल हो ना हो' ने शाहरुख की इमोशनल जर्नी, 'लैला मजनू' ने इंटेस लव स्टोरी, 'रॉकस्टार' ने रणबीर की म्यूजिकल सोल जर्नी, और 'रहना है तेरे दिल में' ने स्वीट रोमांस को सिनेमाघरों में फिर से दिखाया।

क्राइम और ड्रामा में अनुराग कश्यप की 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' ने गैंगस्टर सागा की रॉ एनर्जी, 'तुम्बाड' ने हॉरर-फैंटसी की मास्टरपीस वाइब, 'सत्या' ने मनोज बाजपेयी की अंडरवर्ल्ड क्लासिक, और 'करण अर्जुन' ने शाहरुख-सलमान स्टारर फिल्म का धमाल दिखाया।



## 10 साल की डेटिंग के बाद कैसे शिलादित्य ने किया था श्रेया घोषाल को प्रपोज

### 'इंडियन आइडल' के सेट पर सुनाया किरसा

**4** साल की उम्र में संगीत की साधना कर रही प्लेबैक सिंगर श्रेया घोषाल आज सुरों की मल्लिका बन चुकी हैं। सिंगल बॉलीवुड में हिट साँग देने के साथ-साथ सिंगिंग रियलिटी शो में बतौर जज के तौर पर दिखती हैं। अब उन्होंने 'इंडियन आइडल' शो में अपनी लव स्टोरी के बारे में बात की और बताया कि कैसे उनके बचपन के दोस्त शिलादित्य मुख-पोषाध्याय ने उन्हें प्रपोज किया। 'इंडियन आइडल' के मंच पर रोमांस की बातों ने शो के माहौल को बदल दिया। शो में होस्ट आदित्य ने श्रेया से पूछा कि कैसे उन्हें शिलादित्य ने प्रपोज किया था। इसपर सिंगर ने कहा कि हम पहले से एक दूसरे को जानते थे और एक दिन उन्होंने तय किया कि आज मैं पूछता ही लेता हूँ, लेकिन वो बहुत साधारण सवाल था, क्योंकि मेरा जवाब पहले ही 'हां' ही होने वाला था। फिर एक दिन हम लोग अपने दोस्त की शादी में गए और उन्होंने अचानक से शादी के लिए प्रपोज किया और मेरा जवाब वही था।

उन्होंने कहा कि पता होने के बावजूद भी वो पल हमारे लिए बहुत खास था। शो में सिंगर पार्श्व गायिका कविता कृष्णमूर्ति भी मौजूद थीं। उन्होंने अपनी लव स्टोरी बताते हुए कहा कि मैं घर पर बहुत लाडू-प्यार से पली थी और प्यार-मोहब्बत जैसी चीजों से कोई लेना-देना नहीं था, लेकिन जब पहली बार सुब्रमण्यम जी के घर पहुंची थी, तो अहसास हुआ कि इस घर में मेरे लिए खास जगह है। उन्होंने सामने से मुझे प्रपोज किया और मैंने 'हां' कर दी, लेकिन अगर वे सवाल नहीं करते, तो मैं अपनी गरिमा के साथ अलग अपनी जिंदगी जीती। बता दें कि सिंगर ने प्रसिद्ध वार्यलिन वादक और संगीतकार एल. सुब्रमण्यम से साल 1999 में शादी की थी। संगीतकार एल. सुब्रमण्यम की ये दूसरी शादी थी।

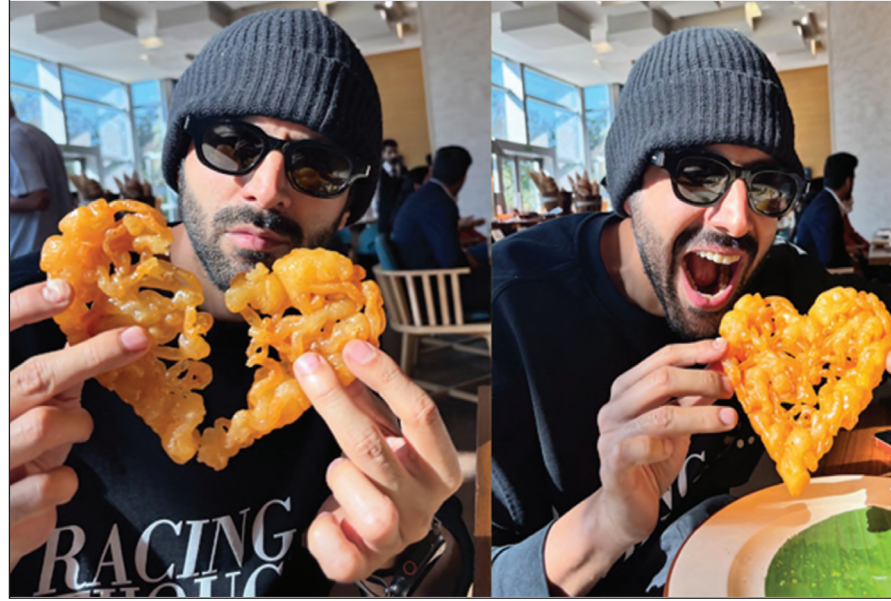
बात अगर श्रेया घोषाल की करें तो उनकी शादी उनके बचपन के दोस्त और इंजीनियर शिलादित्य मुखोपाध्याय के साथ हुई थी। उन्होंने साल 2015 में 10 साल की डेटिंग के बाद शादी की थी। शिलादित्य ने गोवा में एक शादी के दौरान प्रपोज किया था, जब तक वे रिंग निकालने की हिम्मत जुटा रहे थे, तब तक श्रेया को गिलहरी दिखाने के बहाने बिजी रखते रहे। जिसके बाद कपल ने बंगाली रीति-रिवाज के साथ विवाह संपन्न किया था और आज एक बच्चे के माता-पिता हैं।

## अहमदाबाद दौरे पर कार्तिक आर्यन का दिल के आकार की जलेबी पर आया दिल

**बॉ**लीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन ने अहमदाबाद में अपनी आगामी फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के प्रमोशन के दौरान स्वाद से भरा एक खास ब्रेक लिया। इस दौरान वह दिल के आकार की जलेबी और कुरकुरे फाफड़ा का आनंद लेते नजर आए, जिसने फैंस का दिल जीत लिया। कार्तिक ने इस खास पल की झलक इंस्टाग्राम पर साझा की। वीडियो में वह दिल के शेप वाली जलेबी को दो हिस्सों में तोड़ते हुए और फिर उसका स्वाद लेते दिख रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने कुछ तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिनमें वह मिठाई के साथ पोज देते हुए और फाफड़ा से भरी प्लेट दिखाते नजर आए। इस पोस्ट को कैप्शन देते हुए कार्तिक ने तलविंदर के गाने तेनु ज्यादा मोहब्बत

कर बैठे का जिक्र किया, जो उनकी आने वाली फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के साउंडट्रैक का हिस्सा है।

बताया जा रहा है कि यह फिल्म दो ऐसे लोगों की कहानी है, जो आत्म-खोज की अपनी-अपनी यात्राओं के दौरान एक-दूसरे से प्यार कर बैठते हैं, लेकिन पारिवारिक दबाव उनके रिश्ते की परीक्षा लेता है। 13 दिसंबर को रिलीज़ हुआ गाना तेनु ज्यादा मोहब्बत प्यार के उस नाजुक और दर्दभरे पहलू को दर्शाता है। इस ट्रैक पर बात करते हुए कार्तिक ने कहा था कि दिल टूटना भी प्यार का एक रंग है। फिलहाल फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' इस वर्ष 25 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।



## किस किसको प्यार करूं 2 से पारुल गुलाटी का बॉलीवुड डेब्यू, मां की बातों को याद कर हुई भावुक

**कॉ**मेडी किंग कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में कपिल के साथ आयशा खान, पारुल गुलाटी, त्रिधा चौधरी, हीरा बरीना और मनजोत सिंह भी हैं। फिल्म रिलीज होने पर पारुल गुलाटी ने अपनी खुशी जाहिर की। अभिनेत्री का कहना है कि यह फिल्म उनके लिए खास है। उनकी पहली फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने 15 साल के लंबे सफर की कहानी सुनाई।

पारुल ने बताया कि उनकी मां हमेशा हौसला देती थी और कहती थीं कि तेरी किस्मत का कोई नहीं छीन सकता। अगर ऊपर वाले की मेहर होगी, तो तुझे वो भी मिल जाएगा, जो तेरी नहीं है। पारुल ने अपने सफर को याद करते हुए कहा, मैंने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। उसके बाद वेब सीरीज की, पंजाबी फिल्मों भी की, लेकिन वो भी ज्यादा नहीं चली। फिर मैंने जाकर बिजनेस शुरू किया। कई बार लगा शायद एक्टिंग मेरे लिए नहीं है, लेकिन इस बीच मुझे कभी एक्टिंग छोड़ने का ख्याल नहीं आया, क्योंकि

एक्टिंग मेरे लिए एक शादी की तरह है और बिजनेस मेरा बच्चा है। अभिनेत्री ने बताया कि जब-जब उन्हें रिजेक्शन मिलते थे, तो उनके मन में सवाल उठता था कि कहीं मेरे में तो कमी नहीं है। लेकिन, मां समझाती थीं, निशु, तुम्हारे लिए इससे बेहतर कुछ लिखा है। अभिनेत्री ने लिखा, 15 साल का इंतजार, ये सब ज्यादा है, या फिर कम मुझे नहीं पता, लेकिन आज जब मेरी पहली बॉलीवुड फिल्म थिएटर में लगी है, तो बहुत भावुक हूँ। आज मुझे भगवान और किस्मत पर यकीन हो गया है।

## स्मिता पाटिल की पुण्यतिथि पर अभिनेता जैकी श्राफ ने किया याद

**मं**थन, भूमिका, गमन, चक्र, और 'बाजार' जैसी यादगार फिल्मों में काम कर भारतीय सिनेमा में अपने अभिनय की छाप छोड़ चुकी अभिनेत्री स्मिता पाटिल की पुण्य तिथि शनिवार को है। इस मौके पर अभिनेता जैकी श्राफ ने सोशल मीडिया के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि दी। अभिनेता ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर स्मिता पाटिल की तस्वीर शेयर की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, अभिनेत्री स्मिता पाटिल की पुण्यतिथि पर हम उन्हें याद करते हैं। वह हमारे दिल में सदैव रहेंगी। स्मिता अपने शानदार अभिनय के लिए जानी जाती थीं। अभिनय की दुनिया में कदम रखने से पहले अभिनेत्री एक न्यूज चैनल में बतौर एंकर कार्यरत थीं।

अभिनेत्री ने अपने करियर की शुरुआत 1975 को फिल्म 'चरणदास चोर' से की थी। इसके बाद स्मिता ने कई फिल्मों में काम किया, जिसके लिए उन्हें साल



1985 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। 1982 में 'भीगी पलके' की शूटिंग के दौरान स्मिता और राज की मुलाकात हुई थी, जो बाद में प्यार में बदल गई।

फिर कुछ सालों के बाद अभिनेत्री ने अभिनेता राज बब्बर के साथ शादी की थी। हालांकि, प्रेगनेंसी कॉम्प्लिकेशन के कारण उन्होंने 13 दिसंबर 1986 को दुनिया को अलविदा कह दिया।

कहा जाता है कि स्मिता चाहती थी कि मरने के बाद उन्हें सुहागन की तरह सजाया जाए। अभिनेत्री के मेकअप आर्टिस्ट ने उनके निधन के बाद दुख जाहिर करते हुए कहा था, जब उनका निधन हुआ था, तब उनकी मां ने मुझे मेकअप किट दी और मुझे कहा कि ये उनकी इच्छा थी कि वह सुहागन के रूप में जाएं। मैं रोने लगा और उनका मेकअप किया। मैंने उनका अंतिम मेकअप किया था और उन्हें दुल्हन की तरह सजाया था।

अभिनेता जैकी श्राफ की बात करें, तो वे जल्द ही फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में नजर आएंगे। फिल्म में जैकी के अलावा, नीना गुप्ता, कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

## क्लासिक कल्ट फिल्म शोले में गब्बर बनने के लिए अमजद खान ने की खूब मेहनत, धोबी से ली थी प्रेरणा

**क्ला**सिक कल्ट फिल्म 'शोले' सिनेमाघरों में शुक्रवार को री-रिलीज हो गई है। यह एक ऐसी ऐतिहासिक फिल्म रही, जिसके हर किरदार को अपना वजूद रहा। फिल्म के हर किरदार को दर्शकों ने खूब सराहा। फिल्म में 'गब्बर' बने अभिनेता अमजद खान ने इस किरदार को अमर कर दिया। उन्होंने इस रोल के लिए बहुत मेहनत की थी। पर्दे पर विलेन बनकर डराने वाले 'गब्बर' असल जिंदगी में बेहद शांत और सुलझे हुए इंसान थे। अमजद फिल्म में 'गब्बर' के रोल के लिए पहली पसंद नहीं थे। अमजद खान से पहले 'गब्बर' के रोल के लिए रमेश सिप्पी ने डैनी डेन्जोंगा को चुना था, लेकिन वह पहले ही फिल्म 'धर्मात्मा' के लिए 'हां' कर चुके थे और उस वक्त सकारात्मक रोल निभाना चाहते थे। उन्होंने फिल्म के रिलीज के समय भी कहा था कि उन्हें 'शोले' ठुकराने का कोई अफसोस नहीं है। इसके बाद मेकर्स ने प्रेमनाथ को 'गब्बर' के रोल के लिए साइन करने की सोची, लेकिन प्रेमनाथ को लेकर शूटिंग के दौरान फैली बातों की वजह से मेकर्स नए गब्बर की तलाश में निकल पड़े।

अमजद खान और रमेश सिप्पी की पहली

मुलाकात थिएटर में हुई थी। रमेश सिप्पी अपनी बहन के कहने पर अमजद खान का शो देखने पहुंचे थे। मंच पर अमजद खान की कद-काठी और चेहरे के हाव-भाव देखकर उन्हें 'गब्बर' के रोल के लिए चुना। अमजद खान के लिए ऐसी बड़ी फिल्म मिलना खुशी के साथ-साथ चुनौती भी थी। उन्होंने 'गब्बर' के किरदार को समझने के लिए बहुत तैयारी की।

'गब्बर' के किरदार को जीवंत करने के लिए अमजद खान ने पिता से सलाह ली। उन्होंने अपने पिता जयंत से किरदार के बारे में बात की और उन्होंने डाकुओं पर आधारित किताबें पढ़ने की सलाह दी। अमजद ने तरुण कुमार



भादुड़ी की किताब 'अभिशास चंबल' पढ़ी और डाकुओं के पहनावे से लेकर उनकी चाल-ढाल को समझा और डायलॉग डिलीवरी को परफेक्ट बनाने के लिए धोबी की आवाज का सहारा लिया, जो उनके घर पर आया करता था। उन्होंने 'अरे ओ सांभा' का लहजा धोबी की आवाज से प्रेरित होकर ही लिया था। वे अपने लुक को बेहतरीन बनाने के लिए दांतों को काला करते थे, जिससे उनके किरदार का लुक अच्छे से निखर कर आ सके।





तकनीक के प्रयोग के लिए देश के जाने माने संस्थाओं के साथ मिलकर काम करने का निर्णय लिया है। खान, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम विभाग की स्टॉल एचआरआएल रिफाइन्री का प्रगति मॉडल एवं स्ट्रेटिजिक व क्रिटिकल मिनरल सहित प्रमुख मिनरलों का प्रदर्शित करने के साथ ही पठनीय सामग्री भी प्रदर्शित की गई है।



# संजय सरावगी को मिली बिहार भाजपा अध्यक्ष की कमान

**पटना, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने दरभंगा के विधायक संजय सरावगी को बिहार भाजपा का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने सोमवार को इसकी घोषणा की। राष्ट्रीय महासचिव ने नियुक्ति पत्र में कहा है कि जेपी नड्डा ने संजय सरावगी, विधायक, को भाजपा बिहार का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

संजय सरावगी 2005 से लगातार छह बार से बिहार विधानसभा के सदस्य हैं। पहली बार 2005 फरवरी में दरभंगा सदर विधानसभा से विधायक चुने गए। उसके बाद 2005 (नवंबर), 2010, 2015, 2020 और 2025 में लगातार विधायक चुने गए। वैश्य जाति से आने वाले सरावगी छात्र जीवन में 10 वर्षों तक अखिल



भारतीय विद्यार्थी परिषद के विभिन्न पदों पर रहे। 1999 में इन्हें भारतीय जनता युवा मोर्चा का जिला मंत्री का दायित्व सौंपा गया। इसके बाद 2001 में दरभंगा नगर मंडल भाजपा के अध्यक्ष रहे। विधायक संजय सरावगी 2017 में बिहार विधानसभा की प्राक्कलन समिति के

सभापति रहे। फरवरी 2025 में उन्हें बिहार सरकार में राजस्व और भूमि सुधार मंत्री की जिम्मेदारी दी गई।

संजय सरावगी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, सहित कई जिलों के संगठन चुनाव प्रभारी और सदस्यता प्रभारी का भी दायित्व संभाल चुके हैं। संजय सरावगी को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी केंद्रीय नेतृत्व द्वारा तब सौंपी गई है जब बिहार के मंत्री नितिन नबीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है।

पार्टी के भीतर संजय सरावगी को वैश्य समाज के प्रभावशाली चेहरे के तौर पर देखा जाता है। ऐसे में उनका प्रदेश अध्यक्ष बनना सामाजिक संतुलन और चुनावी गणित के लिहाज से भी काफी अहम माना जा रहा है।

बता दें कि दिलीप जायसवाल के बिहार सरकार में मंत्री बनने के बाद से ही माना जा रहा था कि बिहार में अध्यक्ष की जिम्मेदारी दूसरे किसी को सौंपी जाएगी।

## विश्व मानवाधिकार परिषद का राष्ट्रीय सम्मेलन और पुरस्कार समारोह सम्पन्न



**औरंगाबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

विश्व मानवाधिकार परिषद (वीएमपी) ने अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस की 77वीं वर्षगांठ के अवसर पर छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) में

राष्ट्रीय सम्मेलन और पुरस्कार समारोह - 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम के दौरान, मुख्य अतिथि कर्नल निर्देश शाह, लेफ्टिनेंट कर्नल अमित प्रभु, उनकी बटालियन सीओ 136

टीए ईसीओ बीएन महार, और डॉ. एम. आर. अंसारी (एडवोकेट), (राष्ट्रीय अध्यक्ष, डब्ल्यूएचआरसी), हाजी सैयद लायक (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, डब्ल्यूएचआरसी), एडवोकेट ज्योति तोषनीवाल-मालू (महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष, डब्ल्यूएचआरसी) सहित विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य पदाधिकारियों की प्रतिष्ठित उपस्थिति में प्रतिष्ठित वीएमपी भारत गौरव पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार हैदराबाद के डॉ. वेदला श्रीनिवास (मानद) को समाज सेवा के क्षेत्र में उनके सराहनीय योगदान और समर्पित सेवा की पहचान के रूप में प्रदान किया गया।

## प्रेस क्लब ऑफ इंडिया की अध्यक्ष संगीता बरुआ पिशारोती की भारी मतों से जीत



**नई दिल्ली, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए संगीता बरुआ पिशारोती भारी मतों से जीत गई। उल्लेखनीय है प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के सात दशक के इतिहास में यह पहला

मौका है जब एक महिला अध्यक्ष चुनी गई। यह सचमुच हमारे लिए गर्व की बात है। क्लब के अन्य सभी पदों पर भी उनका पैनाल विजयी रहा। अफज़ल इमाम महासचिव चुने गए। इसके अलावा जितन गांधी उपाध्यक्ष, पीआर सुनील कुमार संयुक्त

सचिव और अदिति राजपूत कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुईं। इस बार चुनाव में उल्लेखनीय बात यह भी रही कि 'भक्ति मार्गी' पत्रकारों के समूह ने किसी भी पद के लिए अपना उम्मीदवार नहीं उतारा। इससे पहले कई सालों से यह समूह लगातार अपनी कोशिशों में नाकाम होता आ रहा था।

बहरहाल प्रेस क्लब की नव निर्वाचित टीम को इस उम्मीद के साथ बधाई कि वह प्रेस क्लब के कामकाज को सुचारू रूप से संचालित करते हुए रचनात्मक और सकारात्मक गतिविधियों को तेज करने की दिशा में काम करेगी।

## सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर टली सुनवाई, 7 जनवरी को अगली सुनवाई

**नई दिल्ली, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली उनकी पत्नी गीतांजलि अंगमो की याचिका पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई टल गई। इस मामले में शीर्ष अदालत अब 7 जनवरी, 2026 को सुनवाई करेगी। गीतांजलि अंगमो ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत वांगचुक की हिरासत को अवैध बताया है। याचिका में कहा गया कि उनके पति को बिना ठोस आधार के हिरासत में रखा गया है। उन्होंने इसे कानून का दुरुपयोग के साथ-साथ मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन बताया है। पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और लद्दाख प्रशासन को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने उनसे याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने को कहा था। आपको बताते चलें,



अंगमो ने अपनी नई पिटीशन में कहा है कि डिटेन ऑर्डर बिना सोचे-समझे पास कर दिया गया था और एनएसए के तहत जरूरी प्रोसीजरल सेफेगार्ड्स का पालन नहीं किया गया था। उन्होंने यह भी कहा है कि अधिकारियों ने

जल्दबाजी में काम किया है, समय पर और सही तरीके से डिटेन के सही कारण नहीं बताए, जिससे वांगचुक को अपनी बात रखने का मौका नहीं मिला।

गौरतलब है कि लद्दाख में 24 सितंबर को हुई हिंसा में चार लोगों की जान चली गई थी। यह हिंसा लेह में लद्दाख को छठी अनुसूची का दर्जा और राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई। करीब 90 लोग हिंसा के दौरान घायल हुए थे। बाद में, 26 सितंबर को सोनम वांगचुक को लद्दाख में हिंसक विरोध प्रदर्शन भड़काने के आरोप में हिरासत में लिया गया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें राजस्थान की जोधपुर सेंट्रल जेल में भेजा गया। इसके अलावा, प्रशासन ने चार लोगों की मौत के मामले में मजिस्ट्रेट जांच का आदेश दिया है। हालांकि, स्थानीय लोगों ने न्यायिक जांच की मांग उठाई थी।

## भारत का ऊर्जा क्षेत्र दुनिया के लिए बनेगा मिसाल : पीयूष गोयल

**नई दिल्ली, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत ने बिजली उत्पादन, ग्रिड एकीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। पिछले 11 वर्षों में भारत के ऊर्जा क्षेत्र की यात्रा इस बात का सबूत है कि साहसिक सोच, ईमानदारी और लगातार प्रयास एक राष्ट्र की तकदीर बदल सकते हैं। गोयल ने कहा कि यह बदलाव संयोग नहीं, बल्कि स्पष्ट विजन और लगातार प्रयासों का परिणाम है। भारत अब बिजली की कमी से बिजली सुरक्षा और आगे बिजली स्थिरता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि जैसे-जैसे भारत विकसित भारत 2047 की ओर बढ़ रहा है, हमारा ऊर्जा क्षेत्र वैश्विक उदाहरण बनेगा। उन्होंने आगे कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत ने 1,048 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया, जबकि कोयला आयात लगभग 8 प्रतिशत घटा। सौर ऊर्जा क्षमता पिछले 11 सालों में 46 गुना बढ़ी, इसमें भारत अब दुनिया में तीसरे स्थान पर है। पवन ऊर्जा क्षमता भी 2014 के 21



गीगावाट से बढ़कर 2025 में 53 गीगावाट हो गई। गोयल ने कहा कि भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रिफाइनिंग हब बन चुका है और अपनी रिफाइनिंग क्षमता को 20 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना पर काम कर रहा है। इसके अलावा, देश में 34,238 किलोमीटर प्राकृतिक गैस पाइपलाइन स्वीकृत की गई, जिसमें से 25,923 किलोमीटर काम कर रही है। इन सभी उपायों से भारत का ऊर्जा नेटवर्क और भी मजबूत हो रहा है, जो भविष्य में ऊर्जा की जरूरतों को पूरा

करेगा। उन्होंने शांति विधेयक का भी जिक्र किया, जिसका उद्देश्य निजी कंपनियों को परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भाग लेने की अनुमति देना है।

गोयल ने आगे बताया कि भारत के ऊर्जा क्षेत्र की सफलता 5 प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। पहला स्तंभ, सभी तक बिजली पहुंच है। भारत ने सौभाग्य योजना के तहत हर घर में बिजली पहुंचाई है। इसके साथ ही, उजाला योजना के तहत 47.4 करोड़ एलईडी बल्ब वितरित किए गए हैं, जिससे बिजली के बिलों में कमी

आई और कार्बन उत्सर्जन भी कम हुआ है। दूसरा स्तंभ सस्ती बिजली है। भारत सरकार ने सौर, पवन और अन्य साफ ऊर्जा उपकरणों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया है। इसके अलावा, ईथेनॉल मिश्रण लक्ष्य को 2030 से पहले ही 20 प्रतिशत तक पूरा कर लिया गया। तीसरा स्तंभ बिजली की उपलब्धता है। भारत ने 2013 में जहां 4.2 प्रतिशत बिजली की कमी अनुभव की थी, वही अब यह कमी 2025 तक 0.1 प्रतिशत रह गई है। इसके साथ ही, देश ने 250 गीगावाट की रिकॉर्ड बिजली मांग को पूरा किया। चौथा स्तंभ आर्थिक स्थिरता है। पीएम-उदय योजना के तहत बिजली वितरण कंपनियों में सुधार हुआ है और डिस्कोम की देनदारी को 1.4 लाख करोड़ रुपये से घटाकर 6,500 करोड़ रुपये कर दिया गया है। पांचवां और आखिरी स्तंभ सतत विकास और वैश्विक जिम्मेदारी है। भारत ने पेरिस समझौते के लक्ष्य को पूरा किया है और अब देश की 50 प्रतिशत बिजली क्षमता गैर-जीवाश्म ईंधन से आ रही है।

## दिल्ली ब्लास्ट मामले: अल फलाह यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर जावेद अहमद सिद्दीकी की न्यायिक हिरासत 20 तक बढ़ी



**नई दिल्ली, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

दिल्ली ब्लास्ट मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग (पीएमएलए) केस में अल फलाह यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर जावेद अहमद सिद्दीकी की न्यायिक हिरासत को साकेत कोर्ट ने 20 दिसंबर तक के लिए बढ़ा दिया है। अदालत ने यह आदेश मामले की गंभीरता और जांच की स्थिति को देखते हुए दिया। जावेद अहमद सिद्दीकी फिलहाल न्यायिक हिरासत में है और प्रवर्तन एजेंसियां उससे जुड़े

वित्तीय लेन-देन की जांच कर रही हैं।

साकेत कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान जांच एजेंसी ने हिरासत बढ़ाने की मांग की, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जांच अभी पूरी नहीं हुई है और आर-पीओं की प्रकृति को देखते हुए न्यायिक हिरासत बढ़ाना जरूरी है। इससे पहले 12 दिसंबर को मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआई) ने चार आरोपियों को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश

किया था। इनमें डॉ. मुजम्मिल, डॉ. शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान अहमद और आदिल अहमद शामिल थे। इन सभी को उनकी पिछली हिरासत अवधि पूरी होने के बाद अदालत के सामने पेश किया गया था। कोर्ट ने सुनवाई के बाद चारों आरोपियों को 12 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया था। एनआई ने अदालत को बताया था कि आर-पी डॉ. मुजम्मिल, डॉ. उमर नबी, आदिल अहमद, डॉ. शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान और इरफान अहमद मिलकर एक बड़ी साजिश रच रहे थे। एजेंसी के अनुसार, इस मॉड्यूल का उद्देश्य राजधानी दिल्ली में बड़े पैमाने पर अशांति फैलाना और संवेदनशील इलाकों को निशाना बनाना था। जांच में यह भी सामने आया है कि कार में हुए विस्फोट को अंजाम देने वाला मुख्य आरोपी डॉ. उमर नबी था।

## इंडी अलायंस के नेताओं को बार-बार बयान नहीं बदलने चाहिए : रोहन गुप्ता

**हिमाचल, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** मंदिर प्रबंधन बोर्ड के गठन की मांग अब जोर पकड़ने लगी ज्वालामुखी। हिमाचल प्रदेश में मंदिरों के प्रबंधन की मौजूदा व्यवस्था में आमूल चूल परिवर्तन लाने को लेकर बहस छिड़ी है। हिमाचल प्रदेश में भी हिमाचल



प्रदेश मंदिर प्रबंधन बोर्ड के गठन की मांग जोर पकड़ने लगी है। हिमाचल प्रदेश में हिन्दू सार्वजनिक संस्थान एवं पूर्व विन्यास अधिनियम के तहत मंदिरों का सरकार ने अधिग्रहण किया था। जिसका मकसद मंदिरों में व्यवस्था को पारदर्शी बनाना, व्यवस्था में सुधार लाकर श्रद्धालुओं के लिये बेहतर माहौल तैयार करने के अलावा पूजा

पाठ में सुधार लाने की बात थी। लेकिन मंदिरों के लिये मौजूदा व्यवस्था दोषपूर्ण बताया जा रहा है। चूंकि मंदिरों में सरकारी दखल बढ़ता जा रहा है।

हिमाचल में मंदिर आज पूजा पाठ नहीं, बल्कि राजनीति के अखाड़ा बनते जा रहे हैं। मंदिरों में विधायकों की मर्जी के प्रबंधन ट्रस्ट बन रहे हैं, ऐसे लोग मनोनीत किये जा रहे हैं। जिनका सार्वजनिक जीवन में दूर तक कोई नाम नहीं है। मंदिरों में विधायकों की मर्जी के बिना कोई पता तक नहीं हिला सकता। मंदिरों के प्रबंधन के लिये बनाये गये ट्रस्ट में शामिल होने वाले लोगों के लिये भी कोई ठोस नीति नहीं है। कि किस आधार पर उनका चयन हो। हिमाचल प्रदेश के करीब 52 हिन्दू मंदिर सरकारी नियंत्रण में हैं। जिनका प्रबंधन सरकार देखती है। लेकिन अब इसी व्यवस्था का विरोध होने लगा है। सरकार से मंदिर प्रबंधन में सुधार करने की मांग करने लगे हैं। दलील दी जा रही है कि तिरुपति से लेकर वैष्णो देवी तक मंदिरों में बेहतरीन व्यवस्था है। व अब उत्तराखंड के बाद अयोध्या का नया उदाहरण सबके सामने है। हिमाचल प्रदेश में सरकारी नियंत्रण वाले मंदिरों का जिम्मा प्रदेश भाषा विभाग के पास है।

## गोवा रेस्टोरेंट अग्निकांड में जांच तेज

**नई दिल्ली, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** गोवा पुलिस ने बताया कि बिर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब के मालिक सौरभ और गौरव लुथरा मंगलवार को थाईलैंड से दिल्ली पहुंच सकते हैं। दिल्ली पहुंचते ही दोनों भाइयों को गोवा पुलिस हिरासत में ले लेगी। थाई अधिकारियों ने भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अनुरोध को जारी किए गए इंटरपोल ब्लू कॉर्नर नोटिस के आधार पर लुथरा भाइयों को हिरासत में लिया था। हिरासत में लिए जाने के बाद, दोनों को ट्रांजिट रिमांड के लिए दिल्ली की एक अदालत में पेश किया जाएगा, जिसके बाद उन्हें नाइटक्लब में लगी भीषण आग की घटना के सिलसिले में आगे की जांच के लिए गोवा लाया जाएगा।

चल रही जांच के तहत, पुलिस आबकारी विभाग के अधिकारियों के बयान दर्ज कर रही है। इससे पहले, दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को सौरभ और गौरव लुथरा की अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। सुनवाई के दौरान, गोवा पुलिस के वकील अभिनव मुखर्जी ने दलील दी कि भाइयों ने कारोबार में अपनी कम भागीदारी का झूठा दावा किया था और कहा था कि उनकी विदेश यात्रा पहले से प्लान थी। हालांकि, पुलिस ने इन दावों का खंडन करने के लिए कोर्ट के सामने कई दस्तावेज पेश किए, जिनमें सौरभ लुथरा द्वारा दायर एफएसएसआई एप्लीकेशन, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड एप्लीकेशन और जीएसटी रिकॉर्ड शामिल थे, जिनमें दोनों भाइयों और अजय गुप्ता को कारोबार में पार्टनर के तौर पर लिस्ट किया गया था। लाइसेंस एप्रीमेंट को भी सबूत के तौर पर पेश किया गया ताकि यह दिखाया जा सके कि भाइयों के पास उस जगह को चलाने की इजाजत नहीं थी। अभियोजन पक्ष ने आगे कहा कि दोनों भाइयों ने आग लगने के तुरंत बाद, सुबह करीब 1.15 बजे की फ्लाइट बुक की और सुबह 5 बजे थाईलैंड के लिए निकल गए, इस कदम को गिरफ्तारी से बचने की कोशिश बताया गया।

## ग्वालियर के तानसेन समारोह में होगा सुर, ताल और राग का संगम

**ग्वालियर, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** मध्य प्रदेश की संगीतधानी ग्वालियर में सोमवार की रात से तानसेन समारोह की शुरुआत होने वाली है। इस समारोह में 15 दिसंबर से 19 दिसंबर तक सुर, ताल और राग का संगम होगा। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री मोहन यादव सोमवार की देर शाम करेंगे।

आयोजन में विभिन्न ख्यातिनाम कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से संगीत सम्राट तानसेन को याद करेंगे। भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में देश के सर्वाधिक प्रतिष्ठित महोत्सव 'तानसेन संगीत समारोह' की बेला आ गई है। ग्वालियर की फिजाएं अगले पांच दिनों तक सुर, ताल व राग की बारिश में सराबोर रहेंगी। तानसेन समारोह का यह 101वां आयोजन है। ऐतिहासिक ग्वालियर दुर्ग से पूरी दुनिया को शून्य का परिचय करा रहे 'चतुर्भुज मंदिर' की थीम पर तानसेन समाधि के समीप बने भव्य एवं आकर्षक मंच पर सोमवार को सांध्य बेला में समारोह का शुभारंभ मुख्यमंत्री मोहन यादव करेंगे। इस समारोह में देश और दुनिया के ब्रह्मनाद के शीर्षस्थ साधक संगीत सम्राट तानसेन को स्वरांजलि अर्पित करेंगे। तानसेन समारोह के शुभारंभ के साथ राष्ट्रीय तानसेन अलंकरण एवं राजा मानसिंह तोमर

सम्मान समारोह का आयोजन भी होगा।

प्रख्यात शास्त्रीय गायक पं. राजा काले मुंबई को वर्ष 2024 एवं सुविख्यात संतूर वादक पं. तरुण भट्टाचार्य को वर्ष 2025 के तानसेन अलंकरण से विभूषित किया जाएगा। इसी तरह मण्डलेश्वर की साधना परमार्थिक संस्थान समिति को वर्ष 2024 एवं ग्वालियर की रागायन संगीत समिति को वर्ष 2025 का राजा मानसिंह तोमर सम्मान से अलंकृत किया जाएगा। शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में देश और दुनिया के सर्वाधिक प्रतिष्ठित महोत्सव तानसेन समारोह में इस बार अलग ही रंग भरे गए हैं। तय कार्यक्रम के अनुसार मुख्य सभाओं के लिए ग्वालियर किले पर स्थित ऐतिहासिक चतुर्भुज मंदिर की थीम पर बनाए गए भव्य मंच पर अतिथियों द्वारा औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा। इसके बाद सांघातिक सभाओं की



शुरुआत होगी। तानसेन संगीत समारोह में इस साल 10 संगीत सभाएं होंगी। पहली सभा 15 दिसंबर को सांघकाल तानसेन समाधि परिसर में बनाए गए भव्य मंच पर सजेगी। इसके बाद हर दिन यहीं पर प्रातः एवं सांघकालीन सभाएं होंगी। समारोह के तहत 18 दिसंबर को प्रातः काल 10 बजे से दो संगीत सभाएं समानांतर रूप से सजेंगी।